राष्ट्रीय विचारों का पाक्षिक

39 वर्षों से निरंतर

पाथेय कण

चैत्र कृष्ण 2, वि.2081, युगाब्द 5126, 16 मार्च, 2025

भीलवाड़ा

हिंदू समाज की बेटियों के साथ ब्लैकमेल, यौनाचार व लव-जिहाद पर आक्रोशित सकल हिंदू समाज

शाहपुरा

बिजयनगर

अजमेर

राजसमंद

www.patheykan.com

patheykan@gmail.com @patheykanofficial @patheykanofficial @patheyofficial1 @patheykan

समरसता यात्रा

पाक्षिक पत्रिका 'पाथेय कण' में प्रकाशित 'श्री बाबा रामदेव सामाजिक समरसता यात्रा' समाचार अच्छा लगा। इस यात्रा ने जिस प्रकार से विभिन्न जातियों और समुदायों के लोगों को एक साथ लाने का काम किया, वह अत्यंत सराहनीय है। विशेष रूप से, महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की भागीदारी ने इस आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। यात्रा के दौरान सर्व समाज के घरों से प्रसाद एकत्र कर वितरित करना समरसता की भावना को मजबूत करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

'जात-पात की करो विदाई, हिंदू हम सब भाई-भाई' के नारे से मैं प्रभावित हुआ, जो सामाजिक समरसता के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

*-**वासुदेव पोटलिया**, रामसर, बाड़मेर*

देश का नाम भारत है तो भारत ही बोलो

"भारत को अंग्रेजी नाम 'इंडिया' नहीं बल्कि 'भारत' कहा जाना चाहिए।"

- दत्तात्रेय होसबाले
(सरकार्यवाह, रा.स्व.संघ)

जुड़ें पाथेय कण के वाट्सअप चैनल से

पाथेय कण ने समय के साथ चलते हुए तेजी से बदल रही खबरों की दुनिया से जुड़ने के लिए अपना वाट्सअप चैनल प्रारम्भ किया है। चैनल के माध्यम से आप तक तात्कालिक विषयों और संदर्भों की सटीक जानकारी तथा वीडियो साझा किए जा रहे हैं।

बहुत ही कम समय में 8 हजार लोग इस चैनल से जुड़ चुके हैं। पाठक गण दिए गए स्कैन कोड (क्यूआर) को स्कैन कर आसानी से इस चैनल से जुड़ सकते हैं।

पाथेय कण प्राप्त करने के लिए

क्या आप अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी राष्ट्रीय विचारों की पत्रिका पाथेय कण प्राप्त करना चाह रहे हैं? आपको इसके लिए समर्पण निधि जमा करानी होगी। रु. 200/- समर्पण निधि वालों को एक वर्ष के लिए तथा रु. 2000/-समर्पण निधि वालों को अगले 15 वर्षों तक पाथेय कण भेजी जाती रहेगी। अपने क्षेत्र के कार्यकर्ता से संपर्क करें।

हिंदू नव वर्ष

▪ **नरेश चाष्टा** 'नक्ष'

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हमारी
लाई उत्सव यह मंगलकारी
नव वर्ष का आगाज हुआ
चहुं और फैली ये उजियारी

प्रकृति ने शृंगार किया
नव कोपल का उपहार दिया
हरीतिमा ने मन हर्ष लिया
पतझड़ ने जो छीन लिया
अद्भुत, अनुपम, अवर्णनीय तथ्य
सेतु बध्य करणीय पथ्य
त्याग समर्पण गौतम का
न्याय शास्त्र जिनका प्रण था
राष्ट्रभक्त केशव सा पुजारी
अवतरण दिवस है उपकारी
चेटीचंड झूलेलाल स्मरण
भक्तों के कष्टों का हरण

राज्याभिषेक मर्यादित राम का
अलौकिक पुष्प अभिराम सा
मां आद्या का नवरात्र शुरू
शक्तियों का संचरण करूं
गुरु अंगद का जन्म दिवस
सृष्टि सृजन प्रारंभ दिवस
असंख्य नवाचार प्रखर हुए
दिव्य ज्योति की आभा में
नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा पर्व
नैसर्गिकता को अग्रसर
संकल्पित हो संकल्प भरे
हिंदू नव वर्ष अनुसरण करें

लेखक राजस्थान शिक्षक संघ(राष्ट्रीय) सलूंबर के उप शाखा मंत्री हैं

पाथेय कण
चैत्र कृष्ण 2 से
चैत्र शुक्ल 3 तक
विक्रम संवत 2081,
युगाब्द 5126
16-31 मार्च, 2025
वर्ष : 40 अंक : 22

सम्पादक : रामस्वरूप अग्रवाल
सह सम्पादक : मनोज गर्ग
प्रबंध सम्पादक : ओमप्रकाश
सह प्रबंध सम्पादक : श्याम सिंह
अक्षर संयोजन : कौशल रावत

प्रबंधकीय कार्यालय
'पाथेय भवन' 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, अग्रसेन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302017 (राजस्थान)
E-mail : patheykan@gmail.com

पाथेय कण संस्थान के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक: माणकचन्द

आगामी सत्र से
समर्पण निधि
सामान्य 200/-
विशेष 2000/-

पाथेय कण प्राप्त नहीं होने पर प्रात: 10 से सायं 5 बजे तक संपर्क करें- 79765 82011 इसके अतिरिक्त समय में वाट्सएप व मैसेज करें अथवा ईमेल पर जानकारी दें। (अति आवश्यक होने पर मो.न. 9166983789 पर मोहित जी से संपर्क कर सकते हैं)

पाथेय कण समाज जागरण की पत्रिका है। इसे बिना किसी लाभ के प्रकाशित किया जाता है।

क्या राजस्थान सरकार यह ऐतिहासिक कार्य कर पाएगी?

वर्ष प्रतिपदा को घोषित करें राजस्थान दिवस

आज का राजस्थान 22 छोटी-बड़ी रियासतों और ठिकानों में बंटा हुआ था। मात्र अजमेर-मेरवाड़ा रियासत पर अंग्रेजों का सीधा राज था। शेष रियासतें राजा-महाराजाओं द्वारा ही शासित थीं, परंतु वे संधि द्वारा ब्रिटिश राज के प्रभुत्व के अधीन थी। उन्हें अंग्रेजों को सालाना कर चुकाना होता था। अंग्रेज इन रियासतों के कामकाज पर नियंत्रण रखते थे। अंग्रेज भारत से गए तो इन सहित देशभर की सभी 565 रियासतों को अपने प्रभुत्व से मुक्त कर गए। अब ये रियासतें स्वतंत्र थीं। चाहें तो भारत में मिल जाए या फिर पाकिस्तान में। चाहें तो अपने को स्वतंत्र देश घोषित कर दें।

वर्तमान राजस्थान क्षेत्र की इन 22 रियासतों का भारत में विलय कर भारत की एकता को बनाए रखने की बहुत बड़ी विकट चुनौती थी।

राजस्थान के गठन की जो प्रक्रिया 18 मार्च, 1948 को भरतपुर, धौलपुर, अलवर और करौली को मिलाकर बनाए गए मत्स्य संघ के साथ शुरू हुई थी, वह राजस्थान संघ और संयुक्त राजस्थान संघ के गठन के साथ आगे बढ़ती गई। 30 मार्च, 1949 को गठित वृहत्तर राजस्थान संघ, जिसमें मत्स्य संघ को विलीन कर दिया गया था, के गठन के साथ ही राजस्थान में रियासतों के एकीकरण का कार्य लगभग पूरा हो गया था। इसलिए प्रतिवर्ष 30 मार्च को राजस्थान दिवस मनाया जाने लगा।

यहां यह बात महत्वपूर्ण है कि वृहत्तर राजस्थान, या कहें कि, राजस्थान राज्य के गठन हेतु क्या 30 मार्च का दिन तय किया गया था? जी नहीं। अंग्रेजी तारीखों पर तो विचार ही नहीं किया गया। भारतीय कालगणना के अनुसार वर्ष (संवत्)का प्रथम दिन यानी वर्ष प्रतिपदा (चैत्र शुक्ल एकम्) का पवित्र और श्रेष्ठ दिन राजस्थान के उद्घाटन हेतु तय हुआ था। मान्यता है कि इसी दिन पृथ्वी की रचना प्रारंभ हुई थी। शक्ति रूपिणी दुर्गा की नौ दिनों तक आराधना का पहला दिन भी है यह दिन। राजस्थान के उद्घाटन हेतु इससे अच्छा दिन कौन सा हो सकता था!

भारत के उपप्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल जयपुर पधारे थे राजस्थान का उद्घाटन करने। देशभर की रियासतों के भारत में विलीनीकरण में उनका बहुत बड़ा योगदान था। राजस्थान राज्य का उद्घाटन करते हुए उन्होंने अपने सारगर्भित और प्रेरणादायी भाषण के अंत में कहा- *''राजपूताना में आज नये साल का प्रारंभ है। यहां आज के दिवस साल बदलता है। यह नया वर्ष है। तो आज के दिन हमें नए महा-राजस्थान के महत्व को पूर्ण रीति से समझ लेना चाहिए। आज अपना हृदय साफ कर ईश्वर से हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि वह हमें राजस्थान के लिए योग्य राजस्थानी बनाये। राजस्थान को उठाने के लिए, राजपूतानी प्रजा की सेवा के लिए, ईश्वर हमको शक्ति और बुद्धि दे। आज इस शुभ दिन हमें ईश्वर का आशीर्वाद मांगना है। मैं उम्मीद करता हूं कि आप सब मेरे साथ राजस्थान की सेवा की इस प्रतिज्ञा में, इस प्रार्थना में, शरीक होंगे। जय हिन्द!''*

स्पष्ट है कि वर्ष प्रतिपदा (नए साल के प्रारंभ का दिन जब संवत् बदलता है) ही वह दिन है जब राजस्थान का गठन हुआ, न कि 30 मार्च। यह संयोग था कि उस दिन तारीख 30 मार्च थी।

बड़ा मुश्किल काम है अंग्रेजी तारीख के मोह को छोड़ना। परंतु पिछले कुछ वर्षों से हिंदुत्व और सनातन के साथ ही राष्ट्रीयत्व के पुनर्जागरण का जो काल आरंभ हुआ है, क्या उसी की परिणति नहीं है राजस्थान में आज की भाजपा सरकार?

इस बार संयोग देखिए कि वर्ष प्रतिपदा और 30 मार्च, दोनों एक साथ आए हैं। प्रत्येक 19 वर्षों में ऐसा संयोग बनता है। यह उचित समय है जब वर्ष प्रतिपदा को राजस्थान दिवस घोषित कर दिया जाए। आखिर हम लोग दीपावली, दशहरा, होली सहित सभी पर्व-त्योहारों को भारतीय कालगणना के अनुसार प्रतिवर्ष मनाते ही हैं।

नववर्ष समारोह समिति, जयपुर ने भी मुख्यमंत्री श्री भजनलाल को ज्ञापन देते हुए मांग की है कि राजस्थान दिवस इस वर्ष से वर्ष प्रतिपदा (चैत्र शुक्ल एकम्) को मनाने की घोषणा की जाए। समिति के प्रवक्ता श्री महेन्द्र सिंहल का कहना है कि यद्यपि मीडिया ने 22 जनवरी को श्री रामलला विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का दिन बता दिया था, वस्तुत: प्राण प्रतिष्ठा पौष शुक्ल द्वादशी को हुई थी। इसी कारण से इस वर्ष प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ 22 जनवरी को न मनाकर पौष शुक्ल द्वादशी(प्रतिष्ठा द्वादशी) के दिन मनाई गई, जो इस बार 11 जनवरी को थी। यही भारतीय परंपरा है, सनातन परंपरा है। इसी का अनुसरण राजस्थान दिवस के संदर्भ में भी होना ही चाहिए। *-रामस्वरूप*

क्या भारत में भी हैं - ग्रूमिंग गैंग्स ?

बिजयनगर के बाद अब भीलवाड़ा में भी ब्लैकमेल तथा यौन शोषण कांड

ब्रिटेन में एक लंबे समय से 'ग्रूमिंग गैंग्स' से संबंधित समाचार आते रहे हैं। ग्रूमिंग गैंग्स उन संगठित गिरोह या समूह को कहते हैं जो धोखे, जबरदस्ती या भावनात्मक लगाव के माध्यम से कम उम्र के लड़के-लड़कियों का यौन शोषण करते हैं। अंततः धर्म बदलने का दबाव भी बनाते हैं। ग्रूमिंग का अर्थ है धीरे-धीरे किसी को इतना प्रभावित करना कि वह गिरोह के जाल में फंस जाए। पहले वे दोस्ती करके भरोसा जीतते हैं, फिर मंहगे उपहार, पैसे या अन्य वस्तुएं देकर उन्हें फंसाते हैं। फिर शुरु होता है शोषण।

यौन दुराचार के बिजयनगर मामले के बाद अब भीलवाड़ा में भी ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है।

भीलवाड़ा शहर में हिंदू युवती से सामूहिक दुष्कर्म करने के आरोप में अशरफ अली, सनवीर मोहम्मद, शाहरूख खान, सोयबनूर मोहम्मद, फैजान, सोहेब शेख, खालिद और आमिर पठान को गिरफ्तार किया। इन आरोपियों ने अलग-अलग मौकों पर इस जघन्य अपराध को किया। आधी घटनाएं शास्त्री नगर स्थित 'चस्का कैफे' में हुई थीं।

बताया जाता है कि युवती अपनी एक मुस्लिम सहेली के साथ 'चस्का कैफे' गई थी। वहां दोस्त के भाई और एक कैफे कर्मचारी (दोनों मुस्लिम) ने उसे कॉफी में नशीला पदार्थ पिला कर उसका रेप किया तथा अश्लील वीडियो बना लिया।

पीड़िता ने बताया कि मुख्य आरोपी अशरफ उसे अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर अपने दोस्तों से उसकी अन्य सहेलियों से दोस्ती करवाने का दबाव बनाता था। पकड़े गए आरोपियों में दो सट्टे का काम करते हैं, एक कैफे कर्मचारी, शेष मिस्त्री, मजदूर तथा पेंटर हैं। मुस्लिम युवती को भी भागते समय इंदौर से गिरफ्तार कर लिया गया है।

भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल ने इस मामले को 'लव-जिहाद' बताया है। आरोपियों की फंडिंग की भी जांच करने की मांग की गई है।

राजस्थान के बिजयनगर और भीलवाड़ा की घटनाएं ग्रूमिंग गैंग्स की ओर संकेत करती प्रतीत होती हैं। दोनों ही घटनाओं में पीड़ित लड़कियां कम उम्र की या अधिकांश अवयस्क हैं और हिंदू समाज की हैं तो आरोपी एक ही समुदाय- मुस्लिम समुदाय के हैं तथा एक गैंग की तरह हिंदू लड़कियों को योजनाबद्ध तरीके से फंसाने, ब्लैकमेल करने और यौन शोषण करने में सक्रिय रहते हैं। इन पर कई लड़कियों तथा उनके माता-पिता द्वारा मुस्लिम मजहब स्वीकारने हेतु दबाव बनाने के आरोप भी लगे हैं।

ब्रिटेन में पाकिस्तानी मूल के मुस्लिमों द्वारा कम उम्र की अंग्रेज लड़कियों को फंसाने व यौन शोषण के मामले बहुधा सामने आते रहे हैं। 2012 में ब्रिटेन के रोचडेल के ऐसे ही एक गिरोह को 4 से 19 वर्षों की कैद की सजा दी गई थी। नौ लोगों के इस गिरोह पर आरोप था कि उन्होंने कम उम्र की लड़कियों को यौन शोषण के लिए तैयार किया। वे उन्हें शराब और ड्रग्स देते और फिर यौन संबंध बनाते थे। इन्हें दूसरों को भी यौन संबंध बनाने के लिए भेजा जाता था। ऐसे मामले लगातार सामने आते रहे हैं। बाद में इन श्वेत लड़कियों पर मुस्लिम मजहब अपनाने के लिए दबाव बनाया जाता है।

वर्ष 2023 के प्रारंभ में ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने कई बार कहा

सकल हिंदू समाज द्वारा भीलवाड़ा में किया गया आक्रोश प्रदर्शन व निकाली गई रैली

था कि वहां कम उम्र की श्वेत लड़कियों को फंसाकर यौन–दुराचार करने वाले ग्रूमिंग गैग्स में अधिकतर पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश नागरिक हैं। ब्रिटेन ने ऐसे मामलों से निपटने के लिए 'विशेष कार्य बल' के गठन का निर्णय लिया है।

क्या बिजयनगर और भीलवाड़ा के मामले ग्रूमिंग गैंग्स की करतूत नहीं हैं? बिजयनगर मामले में हिंदू लड़कियों से दोस्ती करने, उन्हें मोबाइल फोन गिफ्ट में देने, उन्हें घुमाने ले जाने की बात सामने आई है। फिर उनका यौन शोषण कर वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी गई और दूसरी लड़कियों को भी लाने का दबाव बनाया गया।

एक पूर्व पार्षद हकीम कुरैशी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है जिस पर आरोप हैं कि उसने इलाके के कई मुस्लिम लड़कों को अपने साथ जोड़कर एक गिरोह के रूप में हिंदू लड़कियों को फंसाने का काम किया है।

लव जिहाद, ब्लैकमेलिंग व मतांतरण की बढ़ती घटनाओं को लेकर सर्व हिंदू समाज में रोष व्याप्त है। इन्हीं घटनाओं को लेकर 10 मार्च को भीलवाड़ा शहर बंद रखा गया। साथ ही ऐसे मामलों में दोषियों को फांसी की सजा देने, उनकी सम्पत्ति पर बुलडोजर चलाने, सीबीआई, एसआईटी जांच, आरोपियों के माता–पिता व परिजनों को आरोपी बनाने, फंडिंग करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई सहित 15 सूत्रीय मांगों को लेकर बीती 5 मार्च को संत समाज के साथ सर्व हिंदू समाज ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

पुष्कर, अजमेर, ब्यावर, किशनगढ़, शाहपुरा, राजसमंद, बारां, मसूदा, श्रीनगर, चित्तौड़गढ़, जहाजपुर, उदयपुर, भिनाय, नसीराबाद, बाघसूरी, पीसांगन, बांदनवाड़ा, बड़ी सादड़ी, झालावाड़, बूंदी आदि स्थानों पर भी विरोध स्वरूप सकल हिंदू समाज ने जुलूस निकाल कर अपना रोष प्रकट किया है। इन सभी स्थानों पर बाजार भी बंद रखे गए। सामूहिक दुष्कर्म के मामले में जिला अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष श्री राजेश शर्मा ने एक पत्र जारी कर अपराधियों के विरुद्ध सभी अधिवक्ता साथियों से पैरवी नहीं करने का निवेदन किया है।

सवाल फिर वही है कि जो लड़के दिहाड़ी मजदूरी का काम करते हैं उनके पास इतना पैसा और दुस्साहस कहां से आता है? ▪ (पाथेय डेस्क)

दुर्घटना सहायता, महिलाओं के साथ अभद्रता व लूट संबंधी शिकायत पर अब एक क्लिक पर पहुंचेगी पुलिस सहायता

राजकॉप एप से 14 हजार को मिली मदद

महिलाओं से होने वाली आये दिन की छेड़खानी, दुर्घटना–सहायता व लूट संबंधी शिकायत होने पर अब एक क्लिक पर पुलिस सहायता मिल सकेगी। राजस्थान पुलिस द्वारा विकसित 'राजकॉप सिटीजन' ऐप महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण व कारगर प्रयास है। यह एप आपातकालीन स्थितियों में त्वरित पुलिस सहायता प्रदान करता है और महिलाओं/युवतियों को सुरक्षित महसूस कराने में मदद करता है। क्या है यह एप और कैसे यह काम करता है पाठकों हेतु एक संक्षिप्त जानकारी –

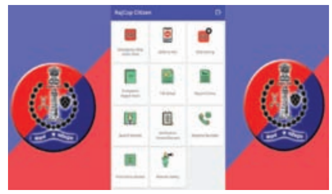

एप की विशेषताएँ

आपातकालीन सहायता (SOS) : किसी भी संकट की स्थिति में, उपयोगकर्ता 'मदद चाहिए' फीचर का उपयोग करके अपनी वर्तमान लोकेशन के साथ पुलिस को अलर्ट भेज सकते हैं। इससे पुलिस तुरंत सहायता के लिए सक्रिय होती है।

यात्रा सुरक्षा : अकेले यात्रा करने वाली महिलाएँ अपनी यात्रा विवरण एप में दर्ज कर सकती हैं, जिससे किसी भी अनहोनी की स्थिति में पुलिस को तुरंत जानकारी मिल सके।

हेल्पलाइन नंबर्स : एप में महिला हेल्पलाइन (1090), आपातकालीन सहायता (112), साइबर क्राइम रिपोर्ट (1930), और चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) जैसे महत्वपूर्ण नंबर्स पर सीधे कॉल करने की सुविधा उपलब्ध है।

टेली मानस : यह फीचर राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम से जोड़ता है, जिससे उपयोगकर्ता मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता व परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

सत्यापन ऑनलाइन : इसके अलावा इस एप के माध्यम से चोरी, गुमशुदी, किरायेदार, नौकर व ड्राइवर का सत्यापन भी ऑनलाइन करवाया जा सकता है।

यह एप सभी स्मार्ट फोन पर उपलब्ध है। इसे गूगल प्ले स्टोर या एप स्टोर से *RajcopcitizenApp* टाइप कर डाउनलोड किया जा सकता है। एप को ओपन करते ही एसओएस पैनिक बटन की सुविधा मिलेगी। एक क्लिक पर पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना पहुंचती है, जिसकी आप लाइव लोकेशन भी देख सकते हैं। एक जानकारी के अनुसार 14 हजार लोग इस एप के माध्यम से मदद मांग चुके हैं तथा लगभग 2 लाख लोग इस एप को अपने फोन में डाउनलोड कर चुके हैं।

भारत विरोधी शक्तियों की कठपुतली बने स्वयंभू अंबेडकरवादी!

■ बलवीर पुंज

डॉ. आंबेडकर बदलाव, तर्कशीलता और सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं। परंतु उनकी विरासत को हड़पने के प्रयास में कांग्रेस राजनीतिक-वैचारिक भंवर में फंस गई है। पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा डॉ. आंबेडकर का तिरस्कार (1952 का चुनाव सहित) सर्वविदित और सार्वजनिक है। उन्होंने बाबा साहेब को खलनायक के रूप में प्रस्तुत करने और भारतीय सार्वजनिक जीवन से उनके योगदान को मिटाने का हरसंभव प्रयास किया। उदाहरण के तौर पर प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू ने 1955 में स्वयं को भारत रत्न देने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई, जबकि डॉ. आंबेडकर को इस सम्मान के लिए 35 वर्ष प्रतीक्षा करनी पड़ी। इस कालखंड में अधिकांश समय कांग्रेस की ही सरकारें थीं।

वर्ष 1990 में तत्कालीन वी.पी. सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार (भाजपा और वामपंथी दलों के बाहरी समर्थन वाली) ने इस ऐतिहासिक कलंक को मिटाया। उस समय सरकार ने संसद के केंद्रीय कक्ष में बाबा साहेब का चित्र भी स्थापित किया।

वास्तव में, डॉ. आंबेडकर और हिन्दुत्व आंदोलन एक-दूसरे का पर्याय हैं। बाबा साहेब 'हिन्दुत्व' शब्द का प्रयोग करने वाले लोगों में से एक थे। वर्ष 1916 में उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में एक दस्तावेज प्रस्तुत किया था, जिसके अनुसार, ''यह संस्कृति की एकता ही है, जो समानता का आधार है। मैं कहता हूं कि कोई भी देश, भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक एकता का सामना नहीं कर सकता। इसमें न केवल भौगोलिक एकता है, बल्कि इससे भी कहीं अधिक गहरी और बुनियादी एकजुटता है-जो पूरे देश को एक छोर से लेकर दूसरे तक जोड़ती है''।

वर्ष 1927 में मंदिर प्रवेश के मुद्दे पर डॉ. आंबेडकर ने बयान जारी करते हुए कहा था, '' .. हिन्दुत्व जितना स्पृश्य हिन्दुओं का है, उतना ही अछूत हिन्दुओं का भी है। हिन्दुत्व के विकास और गौरव में वाल्मीकि, व्याध गीता, चोखामेला और रोहिदास जैसे अछूतों का योगदान उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि वशिष्ठ जैसे ब्राह्मणों, कृष्ण जैसे क्षत्रियों, हर्ष जैसे वैश्यों और तुकाराम जैसे शूद्रों का रहा है''।

वीर सावरकर के प्रति कांग्रेस की हीन-भावना किसी से छिपी नहीं है। सच तो यह है कि सावरकर और डॉ. आंबेडकर दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कई अवसरों पर सावरकर द्वारा किये सामाजिक सुधारों की डॉ. आंबेडकर मुखर सराहना कर चुके थे। वर्ष 1933 में अपनी पत्रिका 'जनता' के विशेष अंक में बाबा साहेब ने सावरकर की प्रशंसा करते हुए अनुसूचित जाति-उत्थान में उनके योगदान को गौतम बुद्ध के योगदान जितना निर्णायक और महान बताया था। वीर सावरकर का डॉ. आंबेडकर के प्रति नजरिया कैसा था, इस पर डॉ. आंबेडकर के जीवनीकार धनंजय कीर ने अपनी पुस्तक में लिखा था- ''वह एक नेता जो निडरता और पूरी ईमानदारी से डॉ.

1940 में संघ शाखा में शामिल हुए थे बाबा साहेब

बाबा साहेब आंबेडकर ने (85 साल पहले) महाराष्ट्र में संघ की एक शाखा पर स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा था कि, कुछ विषयों पर मतभेदों के बाद भी वह संघ को आत्मीयता की भावना से देखते हैं।

डॉ.आंबेडकर ने 2 जनवरी, 1940 को सतारा जिले के कराड में लगने वाली शाखा का दौरा किया था। यहां उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उक्त बात कही थी। पुणे के मराठी दैनिक 'केसरी' समाचार पत्र में 9 जनवरी, 1940 को डॉ.आंबेडकर के संघ शाखा में आने के बारे में एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। संघ के वरिष्ठ प्रचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा लिखित पुस्तक 'डॉ.आंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा' में इसकी चर्चा है। जिसमें संघ और डॉ.आंबेडकर के बीच संबंधों के बारे में बताया गया है। प्राय: संघ पर दलित विरोधी होने के आरोप लगाए जाते हैं। आंबेडकर और संघ के बारे में गलत सूचना फैलाई जाती रही है। अब आंबेडकर और संघ के बारे में एक नया दस्तावेज सामने आया है, जो दोनों के बीच संबंधों को उजागर करता है।

डॉ.आंबेडकर को वर्ष 1939 में पुणे के एक संघ प्रशिक्षण शिविर में औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया था, जहां उन्होंने संघ संस्थापक डॉ.केशवराव बलिराम हेडगेवार से भेंट की थी। तब डॉ.आंबेडकर यह देखकर संतुष्ट हुए थे कि शाखा में जाति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है।

इसी तरह वर्ष 1949 में संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (श्री गुरुजी) ने दिल्ली में डॉ.आंबेडकर से भेंट की थी और गांधी जी नृशंस हत्या के बाद कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को हटाने में सहायता करने पर आभार व्यक्त किया था।

आंबेडकर के संघर्ष का समर्थन करते थे, वे सावरकर थे''।

डॉ. आंबेडकर अन्य हिन्दू नेताओं जैसे स्वामी श्रद्धानंद के भी बड़े प्रशंसक थे और वंचितों के उत्थान में उनके योगदान की मुखर सराहना भी करते थे। स्वामी श्रद्धानंद का मानना था कि जातिवाद का अंत, हिन्दू एकता के लिए आवश्यक शर्त है। डॉ. आंबेडकर ने स्वामी श्रद्धानंद को 'अछूतों के सबसे महान और ईमानदार समर्थक' के रूप में वर्णित किया था, जिनकी 1926 में एक जिहादी ने निर्मम हत्या कर दी थी। डॉ. आंबेडकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भी संपर्क में रहे।

यही नहीं, 1954 के उपचुनाव में तत्कालीन युवा संघ प्रचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी, डॉ. आंबेडकर के चुनावी एजेंट थे। अपनी किताब 'डॉ.आंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा' में ठेंगड़ी जी ने इस अनुभव को साझा किया था।

डॉ. आंबेडकर भी साम्यवाद को भारतीय लोकतंत्र और बहुलतावाद के लिए खतरा मानते थे। कन्वर्जन के विषय पर भी डॉ. आंबेडकर और हिन्दुत्व नेताओं का दृष्टिकोण समान था। इस विषय पर बाबा साहेब का विचार था, ''कन्वर्जन से देश पर क्या परिणाम होंगे, यह ध्यान में रखना बहुत आवश्यक है। इस्लाम या ईसाई में मतांतरण अछूत वर्गों को राष्ट्रीयकरण से वंचित कर देगा। यदि वे इस्लाम में परिवर्तित होते हैं, तो मुसलमानों की संख्या दोगुनी हो जाएगी और मुस्लिम प्रभुत्व का खतरा भी वास्तविक होगा।''

यदि वे ईसाइयत में कन्वर्ट होते हैं, तो ईसाइयों की संख्यात्मक शक्ति पांच से छह करोड़ हो जाएगी और इससे ब्रितानी राज को सहायता मिलेगी'।

वास्तव में, डॉ. आंबेडकर की पाकिस्तान, इस्लाम, आर्य आक्रमण सिद्धांत और जनजातियों की स्थिति आदि विषयों पर राय, उन्हें और हिन्दुत्व समर्थकों को एक सूत्र में बांधती है। हिन्दू समाज में व्याप्त कुरीतियों से डॉ. आंबेडकर असंतुष्ट थे। लेकिन वे इसके लिए अब्राहमिक मजहबों को विकल्प नहीं मानते थे। अपनी मृत्यु से ठीक 53 दिन पहले, 14 अक्टूबर, 1956 को उन्होंने अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध परंपरा को स्वीकार किया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि वे चाहते थे कि उनके लोग सनातन संस्कृति कभी नहीं छोड़ें और उसकी बहुलतावादी-उदारवादी जीवन मूल्यों की छत्रछाया में रहें।

यह दुर्भाग्य है कि स्वयंभू अंबेडरवादियों और उनके नाम पर राजनीति करने वाले कुछ समूह बाबासाहेब के विचारों को तिलांजलि देकर भारत-विरोधी (इंजीलवादी-औपनिवेशिक - जिहादी सहित) शक्तियों की कठपुतली बन गए हैं, जो भारतीय समाज में कुरीतियों का परिमार्जन नहीं, बल्कि उनका प्रयोग अपने निहित एजेंडे की पूर्ति हेतु करना चाहती हैं। ▪

(हिमालय हुंकार, अंक 16 जनवरी, 2025 से साभार)

सुखद सुमंगल नव-सम्वत्सर

■ **डॉ.श्रीकांत**

सुखद सुमंगल नव-सम्वत्सर, शुभ पावन बेला आयी।
सृष्टि-जन्म पर पूर्ण सृष्टि में, नवता ही नवता छायी॥
नव-सम्वत् बेला आयी॥धृ॥

नयी पत्तियाँ-नयी कोपलें, वातावरण नवल छाया।
फसलें पकीं खेत के भीतर, घर में अन्न नया आया॥
हुई परीक्षा बदली कक्षा, पाठ्यक्रम का सत्र नया।
ऋतु बदली मौसम भी बदला, पक्ष नया नक्षत्र नया॥
नव सूरज की नव किरणों में, नयी उष्णता गरमायी॥
नव-सम्वत् बेला आयी॥1॥

नये फूल पर फसल फलों की, नव-सुगन्ध का सौरभ है।
झुकी टहनियाँ वृक्षों की नव, वृक्षों का यह गौरव है ॥
इस ऋतु में ही कोयलिया के, गूँज रहे हैं गान नवल।
समय फाग का बीत गया पर, संगीतों की तान नवल॥
नव रसाल की नवल डाल पर, आम्र-मंजरी बौरायी॥
नव-सम्वत् बेला आयी॥ 2॥

काल-चक्र की गणना का यह, सम्वत्सर वैज्ञानिक है।
नवता के हर मानदण्ड पर, मौलिकता का मानक है ॥
सम्वत्सर के संस्थापन में, साहस भरा पराक्रम है।
क्रूर शकों पर विजय प्राप्ति से, विक्रम का सम्वत् क्रम है।
विश्व-विजय कर इसी दिवस पर, ध्वजा केसरी फहरायी॥
नव-सम्वत् बेला आयी॥ 3॥

नयी शक्ति की सृजन-धारणा, नव-दुर्गा घर-घर पूजन।
सद् गृहस्थ पावित्र्य धारकर, व्रत-उपवास करें नव-दिन॥
इसी घड़ी में प्रगट हुए थे, झूलेलाल वरुण-अवतार।
संघ-शक्ति के जनक इसी दिन, जन्मे डॉक्टर हेडगेवार॥
जिनके यत्न भगीरथ द्वारा, संघ-सरित् भू पर आयी॥
नव-सम्वत् बेला आयी ॥ 4॥

युगों-युगों से यही दिवस है, मंगलमय अक्षय भण्डार।
शुभ का सूचक शुभ संकेतक, सिद्ध मुहूर्तों का तिथि-वार॥
सुस्मृतियों से भरा दिवस यह, सुस्मितता का करे प्रसार।
सामाजिक वैयक्तिक शुभता, परिवारों में भरे अपार॥
शुभद बधाई अन्तस्तल से, वर्ष प्रतिपदा ले आयी॥
नव सम्वत् बेला आयी॥ 5॥

- लेखक राज. क्षेत्र के बौद्धिक शिक्षण प्रमुख हैं

तब लक्ष्य तक पहुँच सकोगे

(पुणे में 'हिंदू युवक परिषद' के अध्यक्ष पद से डॉक्टर जी द्वारा दिए गए भाषण के कुछ अंश)

वह भावना अथवा तत्व जिससे राष्ट्र पुनरुज्जीवित होते हैं, उसका नाम है राष्ट्रीयत्व अथवा समाज-भावना। 'समाज के लिए मैं हूं', इस धारणा को भूल कर 'मेरे लिए समाज है'-इसी भावना को हमने अपने गले लगा लिया और यह भावना अपने मन में आज इतनी गहरी पैठ गई है कि जो मनुष्य अपने व्यक्तिगत मोक्ष प्राप्ति के लिए स्नान, संध्या, जप-जाप करता है, किसी से झगड़ा नहीं करता, न किसी के लेने में न किसी के देने में, अपना घर भला कि अपनी नौकरी भली, बस इतनी ही मर्यादित दृष्टि से चारों ओर देखता और व्यवहार करता है तो हम ऐसे मनुष्य की जी-भर कर प्रशंसा करते हैं। हमारे द्वारा की गई इस प्रशंसा को हमारे छोटे-छोटे लड़के-लड़कियाँ सुनते और वे भी ऐसे स्वार्थी मनुष्यों को ही आदर्श पुरुष समझ कर उनके अनुसार व्यवहार करने का यत्न करने लगते हैं। किन्तु हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि जब तक हमारे बीच में ऐसी विचारधारा महत्व प्राप्त किए हुए है तब तक हिन्दु राष्ट्र का विनाश ही होता रहेगा। कितने दुर्भाग्य की, खेद की बात है कि तरुण पीढ़ी के मन में इस भावना की कल्पना तक नहीं छू पाती कि समाज जीवित रहेगा तब तक ही मैं जीवित रह सकूंगा ।

वास्तव में सच्चा राष्ट्रसेवक वही है जो हिन्दु-राष्ट्र के सम्बन्ध में विचार करते समय अपने मन से व्यक्ति सम्बन्धी विचारों को एक दम साफ पोंछ डालता है और 'मैं' और 'राष्ट्र' दोनों एक ही हैं, ऐसा भाव धारण कर राष्ट्र, समाज के साथ तन्मय हो जाता है। कुछ लोग बहुत अभिमान-पूर्वक ऐसी घोषणाएं करते हैं कि मैंने राष्ट्र के लिए इतना-इतना स्वार्थत्याग किया है। किन्तु ऐसी घोषणा करने वालों की समझ में यह बात नहीं आती कि ऐसा कहने का अर्थ स्वयं को राष्ट्र से अलग बताना होगा । मैं राष्ट्र से भिन्न हूं, मेरा राष्ट्र से कोई सम्बन्ध नहीं,-ऐसा भाव क्या इस प्रकार की घोषणाओं से ध्वनित नहीं होता ? अपने परिवार के लिए जब हम कोई कष्ट उठाते हैं, अथवा व्यय करते हैं, तब जैसे वह कार्य स्वार्थत्याग नहीं कहा जाता, उसी प्रकार परिवार रूपी राष्ट्र की सेवा में लगाया गया परिश्रम और धन स्वार्थत्याग नहीं कहा जा सकता। अरे! राष्ट्र के लिए परिश्रम करना, कष्ट उठाना, आपत्तियां झेलना, उस राष्ट्र में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति का पवित्रतम कर्त्तव्य ही है, इसमें स्वार्थत्याग कैसा?

राष्ट्र के साथ हमारा एकरूप अविभाज्य सम्बन्ध स्थापित होना चाहिए। हमें चाहिए कि जिस प्रकार हम सतर्कता और मनोयोगपूर्वक अपने शरीर की ओर ध्यान देते हैं, उसकी चिन्ता करते हैं, उसी प्रकार राष्ट्र की चिन्ता करें।

हम लोगों में से प्रत्येक को हिन्दू समाज की भलाई करने वाले कार्यों में जीवन का वास्तविक आनन्द प्राप्त हुआ लगना चाहिए। स्वत: को हिन्दू कहने में आनन्द का अनुभव होना चाहिए। हमें किसी के प्रति ईर्ष्या नहीं करनी और न वैसी प्रतियोगिता ही। किसी से लड़ाई झगड़ा भी नहीं करना है और न किसी को चुनौती ही देना है। हमें तो अपना समाज संगठित व अजेय स्थिति में खड़ा करना है।

सारांश, अपने समक्ष ध्येय उच्च रखो, विचार शुद्ध रखो, व्यक्ति सम्बंधी विचार न करते हुए राष्ट्र का ही विचार करो, संगठित हो और विश्व में राष्ट्र अजेय करो, बस तब ही तुम अपने लक्ष्य तक पहुँच सकोगे।

('हमारे डॉक्टर जी' पुस्तक से साभार)

अजमेर

कबड्डी के नेशनल ग्राउंड तक पहुँचने की प्रेरणा संघ शाखा से मिली

हाल ही में कटक (उड़ीसा) में हुई 71वीं सीनियर राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता (पुरुष) 2025 आयोजित हुई। राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए अजमेर के विजय सैनी ने टीम को टॉप 8 में प्रवेश दिलाया। कबड्डी को अपने करियर के रूप में चुनने की प्रेरणा कहाँ से मिली, पूछने पर उन्होंने कहा कि मैं बचपन से शाखा में जाता हूं, कबड्डी खेलना वहीं सीखा। धीरे-धीरे यह क्रेज बढ़ता गया, तो फिर इसे ही करियर बनाने का निर्णय लिया। कबड्डी में लगातार 6 वर्षों से वे (जूनियर व सीनियर प्रतियोगिता) राज्य स्तर पर अजमेर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि संघ शाखा में जाने से तन और मन दोनों का विकास होता है। शाखा के बौद्धिक खेल व्यक्ति के व्यक्तित्व में चौतरफा निखार लाते हैं। इससे आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

विजय सैनी संघ के प्रथम वर्ष शिक्षित स्वयंसेवक हैं। पिताजी एक कैब ड्राइवर हैं तथा पूरे परिवार का संघ की शाखा से जुड़ाव है।

क्या परिवर्तन की आहट आपने भी सुनी ?

चर्च को मंदिर बनाकर भैरव जी की मूर्ति की गई स्थापित

स्वयं पादरी बने पुजारी

बांसवाड़ा के एक गांव में बने चर्च का गत 9 मार्च को विधिवत मंदिर में रूपांतरित होना क्या समाज में एक नए बदलाव का संकेत है? स्वयं चर्च के पादरी गौतम गरासिया ने फिर से हिंदू बनकर घर वापसी कर ली है।

मंत्रोच्चार के साथ मूर्ति स्थापना

पादरी गौतम गरासिया जो अब गौतम गिरी जी महाराज हो गए हैं, ने विधिवत पूजा-अर्चना और हवन किया। वे ही आगे से पुजारी का दायित्व संभालेंगे। मंत्रोच्चार के साथ मंदिर में भैरव जी की मूर्ति स्थापित की गई।

यह सब हुआ है बांसवाड़ा की गांगड़तलाई पंचायत समिति की ग्राम पंचायत जांबूड़ी के सोडला दूधा गांव में। पूरा गांव ही ईसाई कन्वर्टेड (मतांतरित) था। भारत माता मंदिर परियोजना के प्रयास से पिछले दिनों 80 परिवारों ने घर वापसी करते हुए हिंदू धर्म अपना लिया। समस्त गांव वालों की इच्छानुसार ही चर्च को भैरव जी मंदिर में परिवर्तित किया गया है।

पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ भजन-कीर्तन करते हुए लोग गांगड़तलाई के सरस्वती उ.मा. विद्यालय से रवाना हुए थे। भैरव जी की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान स्थानीय प्रशासन व पुलिस के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गौतम गिरी जी महाराज का कहना है कि उन्होंने 30 वर्ष पूर्व धर्म परिवर्तन कर ईसाई रिलीजन अपना लिया था। उनके साथ ही 30 अन्य परिवार भी ईसाई बन गए थे। वे कहते हैं कि पादरियों ने मुझे पैसों व दवाइयों का लालच देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया। हालांकि, इससे मुझे कोई विशेष लाभ नहीं हुआ।

गौतम गिरी कहते हैं कि गांव के बाहर से पादरी व अन्य ईसाई लोग आते थे। उन्हें हर माह 1200 से 1500 रुपए दिए जाते थे।

अब मैं पुनः हिंदू धर्म में लौटा हूं तो मुझे मानसिक और आध्यात्मिक शांति मिल रही है।

गौतम गरासिया की जमीन पर ही चर्च बनाया गया था। इस चर्च से ईसाई रिलीजन के निशान मिटाते हुए ग्रामवासियों ने पूरे भवन को भगवा रंग में रंग दिया है। दीवारों पर 'जयश्रीराम' लिख दिया है।

धर्म बदलने का उद्देश्य जीवन में शांति लाना था, लेकन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ, इसलिए धर्म में वापस आ गए।

–मीना गरासिया,ग्रामीण

नए बने मंदिर के नजदीक ही रहने वाली मीना गरासिया का कहना है कि उसने व उसके पति ने चार वर्ष पूर्व ईसाई धर्म अपना लिया था। धर्म बदलने का उद्देश्य जीवन में शांति लाना था, परंतु ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। चार वर्षों में जीवन में कोई बदलाव नहीं आया, इसलिए अपने पहले के धर्म में वापस आ गए। *(पाथेय डेस्क)*

भारत माता परियोजना की भूमिका

सोडला दूधा गांव के ईसाई बने लोगों को फिर से हिंदू धर्म में लाने में बांसवाड़ा में पिछले 55 वर्षों से सक्रिय भारत माता मंदिर परियोजना का बड़ा प्रयास रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी इस परियोजना के संरक्षक रामस्वरूप जी महाराज का कहना है कि परियोजना से जुड़े कार्यकर्ताओं के प्रयासों एवं हिंदू समाज के सहयोग से इस संपूर्ण क्षेत्र में लगभग 350 विद्यालय चल रहे हैं जिनमें 25 हजार से ज्यादा बालक अध्ययनरत हैं। इन विद्यालयों से निकले 2500 से अधिक विद्यार्थी आज विभिन्न सरकारी पदों पर कार्यरत हैं। क्षेत्र के लोगों के लिए 11 बड़ी तीर्थ यात्राएं भी आयोजित की गई। परियोजना के माध्यम से पूरे क्षेत्र में व्यापक जनजागरण हुआ है।

भारत की एकता का प्रकटीकरण है 'महाकुम्भ'

पाथेय कण संस्थान द्वारा गत 27 मार्च को 'पाथेय संवाद' नाम से प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ को लेकर एक परिचर्चा का आयोजन पाथेय भवन में किया गया। गोष्ठी की प्रस्तावना रखते हुए संस्थान के अध्यक्ष एवं राजस्थान विश्वविद्यालय में हिंदी के विभागाध्यक्ष प्रो.नन्द किशोर पाण्डेय ने महाकुम्भ की सर्वव्यापकता, प्राचीनता व महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि सत्संगति क्या होती है, सत्संगति का सुख क्या है यह डेढ़ महीने तक महाकुम्भ में देखा गया। महाकुम्भ मात्र एक स्नान नहीं है बल्कि आध्यात्मिक चिंतन का प्रवाह है। महाकुम्भ हजारों-लाखों वर्षों की पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हमारे मन में उतरता हुआ एक श्रद्धा भाव है।

वनस्पति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय के सहायक प्रो. अमित कोटिया ने बताया कि रूड़की के वैज्ञानिकों ने शोध में पाया कि गंगा में कितना ही अपवित्र /अपशिष्ट पदार्थ गिरा दो 12 किमी चलने के बाद गंगा स्वयं को पवित्र (शुद्ध) कर लेती है। ऐसी क्षमता है गंगाजल में, वैसे ही हिंदू मन स्वयं को संशोधित करता रहता है।

उन्होंने यह भी बताया कि ब्रिटिश वैज्ञानिक हॉकिंस ने हैजे के जीवाणुओं को जब गंगा जल में डाला तो पाया कि वे सारे के सारे नष्ट हो गए। ऐसी अदभुत क्षमता है गंगाजल की। इसी प्रकार राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ के वैज्ञानिक प्रो. नौटियाल ने गंगाजल कब तक कितना शुद्ध रहता है यह जानने के लिए हानिकारक जीवाणु 'ईकोलाई' को जब गंगाजल में डाला तो मात्र वह जीवाणु तीन दिन में नष्ट हो गया। इसी को और अधिक परखने के लिए उन्होंने जब 8 से 16 दिन पुराना गंगाजल लिया तो उसमें भी वह जीवाणु कुछ समय के बाद ही नष्ट हो गया। इसका अर्थ यह है कि कुछ तो है गंगाजल में जो आज भी अपने आप को विशेष बनाए हुए है।

उन्होंने बताया कि गंगाजल को आप तीन तरह से देख सकते हैं। एक भौतिक रूप में, दूसरा रसायन रूप और तीसरा जैविक रूप में। इन तीनों रूपों की एक विशेषता यह है कि यह हानिकारक जीवाणुओं को पनपने से रोकता है। गंगा के पानी में ऑक्सीजन को डिजॉल्व करने की क्षमता बहुत अधिक है। आप किसी नदी के जल की तुलना में अगर देखें तो गंगाजल में यह 25 प्रतिशत अधिक है। भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त महिला कमाण्डर श्रीमती प्रियंका, विद्या भारती जयपुर के अध्यक्ष राममोहन जी सहित महाकुम्भ जाकर आये अनेक युवाओं ने अपने संस्मरण उक्त गोष्ठी में साझा किये।

इस अवसर पर पत्रकार, प्रबुद्धजन, रिसर्च स्कॉलर, डॉक्टर,विद्यार्थी आदि उपस्थित थे। गोष्ठी का संचालन संस्थान के सहसचिव ज्ञानचंद गोयल तथा आभार प्रकट संस्थान सचिव महेन्द्र सिंहल ने किया।

महाकुम्भ में बिछुड़े 54 हजार से अधिक लोगों को फिर से मिलाया

प्रयागराज महाकुम्भ के दौरान 66 करोड़ से अधिक देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इस दौरान 54 हजार 357 लोग ऐसे थे जो अपने परिजनों से बिछुड़ गए थे। महाकुम्भ की खास बात यह है कि सभी बिछड़ों को अपने परिजनों से मिला दिया गया है। केवल एक 8 साल के बालक बाबुल को छोड़कर जिसे फिलहाल चाइल्ड केयर केन्द्र पर रखा गया है जिसके लिए सरकार प्रयासरत है।

महाकुम्भ के दौरान भूले-भटके लोगों को उनके परिजनों से मिलाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अस्थायी अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त 10 डिजिटल खोया-पाया केन्द्र बनाये गये थे।

कुम्भ नगरी में बिछड़े लोगों की मदद के लिए दो स्वयंसेवी संस्था 'भारत सेवा केन्द्र' व 'हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति' ने भी इस कार्य में अपनी महती भमिका निभाई है। मालपुरा (टोंक,जयपुर) खण्ड सेवा प्रमुख ने बताया कि खोया पाया केन्द्र, लापता हेल्क डेस्क, मिसिंग पर्सन सर्च ग्रुप के साथ मिलकर लापता श्रद्धालुओं के परिवारों को ट्रेस करने में उनकी टीम ने भी सहयोग किया।

भारतीय इतिहास की शायद यह पहली घटना है जब इतनी जल्दी सभी खोये लोगों को मिलाया गया, जो किसी आश्चर्य से कम नहीं है।

घुमंतू युवाओं को दिए गए ई-रिक्शा, टैम्पो, ठेले आदि रोजगार के साधन

घुमंतू जाति के युवाओं व महिलाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बीती 2 मार्च को जयपुर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। घुमंतू जाति उत्थान न्यास की ओर से आयोजित इस मेले में उन्हें सीएनजी रिक्शा, ई-रिक्शा, फल-सब्जी के ठेले, कबाड़ियों के लिए साईकिल रिक्शा, मोटर मैकेनिक टूल्स आदि वितरित किए गए। इसी अवसर पर महिलाओं और युवतियों को सिलाई मशीन, कढ़ाई-बुनाई के उपकरण भी दिए गए। न्यास का उद्देश्य जयपुर में आने वाले समय में घुमंतू जाति के 10 से 20 हजार बेरोजगार युवाओं व महिलाओं को रोजगार के संसाधन उपलब्ध करवाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। वर्तमान में न्यास द्वारा घुमंतू समाज के बच्चों के लिए प्रदेश भर में आवासीय छात्रावास, कौशल विकास के कार्यक्रम तथा उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा आरोग्य मित्र योजना, हवन योजना, बाल संस्कार केन्द्र, धर्म-आस्था यात्रा व मेवाड़ यात्रा जैसे विविध कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर घुमंतू जाति कार्य के अ.भा.प्रमुख दुर्गादास जी ने कहा कि घुमंतू-अर्द्धघुमंतू और विमुक्त जातियों के लोगों को समाज में आगे लाने का यह कार्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता ड्यूश बैंक के निदेशक श्री पंकज ओझा ने की। उद्योग मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह, सांसद श्रीमती मंजू शर्मा और संघ के जयपुर प्रांत प्रचारक श्री बाबूलाल सहित समाज के अनेक प्रबुद्धजन इस अवसर पर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन अम्बाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मंदिर में किया गया था। रोजगार मेला घुमंतू परिवारों का आर्थिक स्तर ऊँचा उठाने और सम्मानजनक जीवन जीने की दिशा में एक सार्थक पहल है, जिसमें सर्व समाज की भागीदारी अपेक्षित है।

सबद सवामणी (रामदेव पचासो) -3

■ शिवराज भारतीय

(लेखक ने इस स्वरचित रचना का गायन जोधपुर प्रांत में आयोजित 'बाबा रामदेव समरसता यात्रा' के अवसर पर किया)

लाछा-सुगणा घणी सवाई ।
बै नां जाणी जामण जाई।।
(चचेरी बहन लाछा व सुगना को आपने मांजायी बहन ही माना। उन्हें सदैव स्नेह -प्रेम और आत्मीयता दी।)

देज पोकरण राज दिरायो ।
बै 'न -बनैई हरख मनायो ।।
(छोटी बहन लाछा के ससुराल वालों ने लाछा के माध्यम से विवाह में पोकरण का किला मांगा । रामदेव जी ने अपनी बहन को पोकरण का किला दहेज में दे दिया । बहन और बहनोई पोकरण का राज पाकर बहुत प्रसन्न हुए।

रामदेवरो गांव बसायो ।
मै 'ल फूटरो आप चिणायो।।
(रामदेव जी ने सपरिवार पोकरण छोड़ दिया और रामदेवरा नामक गांव बसाया। वहीं सुंदर महल का भी निर्माण कराया।)

पाणी रो जद तोड़ो आयो ।
रामसरो ताळाब खुदायो।।
(राजस्थान में कम वर्षा के कारण कुओं,तालाबों में पानी की कमी रहती थी । रामदेव जी ने जल संकट को दूर करने के लिए रामसर नामक विशाल तालाब खुदवाकर जल संकट को दूर किया।)

गाँव- गळी नीं भेद रवैला।
सगळा पाणी साथ भरैला।।
(रामदेव जी ने सबको समझाया कि पानी भरने में कोई जातीय भेदभाव नहीं रहेगा । गांव - गली के सभी जाति - बिरादरी के परिवार एक ही तालाब से पानी भरेंगे ।)

सैंरो लोही रातो भाई ।
कोई ऊँचो-नीचो नाहीं।।
(रामदेव जी ने छुआछूत करने वालों को कठोरता से समझाते हुए कहा,कि हम सब के रक्त का वर्ण एक जैसा ही लाल है। सब भाई-भाई हैं। जाति से कोई भी ऊंचा या नीचा नहीं है।)

सेठ बोयतै रो भै टाळ्यो ।
डूबतड़ो थे झ्याज संभाळ्यो।।
(रामदेव जी का एक भक्त सेठ बोयता व्यापार कर विदेश से लौट रहा था । समुद्र में भयंकर तूफान आने के कारण वह भयभीत होकर मन ही मन रामदेव जी का स्मरण कर प्रार्थना करने लगा। रामदेव जी ने डूबते हुए जहाज को संकट से उबार कर उसे भय मुक्त किया।)

दलजी आंगण पूत रमाया ।
सिर-धड़ जोड्या प्राण बंचाया।।
(मेवाड़ के रहने वाले नि:संतान महाजन दलजी को संतान का आशीर्वाद दिया । दलजी मंदिर निर्माण हेतु सपरिवार रुणेचा आ रहा था । रास्ते में डाकुओं ने दलजी को लूट लिया और उसका सिर काट दिया। दलजीत की पत्नी का विलाप सुनकर रामदेव जी प्रकट हुए और दलजी को पुन:जीवित किया ।)

झूठो-कपटी मिनख नीं भायो।
मिसरी रो थे लूण बणायो।।
(आपने झूठ कपट करने वाले व्यक्तियों को सजा दी । लक्खी बंजारा ने मिश्री से भरी गाड़ियों के बारे में आपके पूछने पर नमक होना बतलाया। वह झूठ बोला । आपने सारी मिश्री को नमक में परिवर्तित कर दिया।)

मक्का सूं पंचपीर पधार्या ।
वांरा बासण आप मंगाया।।
(मक्का से पांच पीर आपके चमत्कारों की परीक्षा लेने आए। उन्होंने भोजन करने से मना करते हुए कहा, कि हम अपने ही बर्तनों में भोजन करते हैं । अपने बर्तन हम मक्का में ही भूल आए हैं। रामदेव जी ने भुजा (हाथ) फैलाकर मक्का से उनके बर्तन मंगवा दिए।)

क्रमश:

सपोटरा (करौली)

वाल्मीकि समाज की बेटी की बारात का सर्व समाज ने किया भव्य स्वागत

सामाजिक समरसता इस देश-समाज की प्राणवायु है। यहां सामाजिक बदलाव के कुछ ऐसे ही उदाहरण दिए जा रहे हैं जो बताते हैं कि समाज नव परिवर्तन की ओर अग्रसर हो चला है

सपोटरा (करौली) स्थित गांव रानीपुरा जाखौदा में कालू वाल्मीकि की बेटी शिवानी की बारात आई तो सर्व हिंदू समाज के लोगों ने बारात का स्वागत तिलक लगाकर, माला पहनाकर किया। अल्पाहार कराने के बाद सभी बारातियों को श्रीफल भेंट किए गए। इस अवसर पर आस-पास के गांवों के 15 समाजों के 100 से अधिक लोग उपस्थित थे। विशेष बात यह थी कि सामान्य घरों से आयी महिलाओं ने इस दौरान मंगल गीत गाये।

इस कार्य से अभिभूत हुए वाल्मीकि समाज के 75 वर्षीय एक बुजुर्ग का कहना था कि ऐसा सम्मान पाकर मन बहुत प्रफुल्लित है। पूरा हिंदू समाज एक है, हृदय से इसकी अनुभूति हो रही है। बारात सवाईमाधोपुर के गम्भीरा भाड़ौती से बीती 1 मार्च को आई थी।

झाब (जालौर)

वाल्मीकि बेटी का भरा मायरा

झाब (जालौर) में जितेन्द्र कुमार वाल्मीकि की बेटी नीतू कुमारी की शादी में (25 फरवरी) बोरली निवासी अजय सिंह व भरत सिंह ने अपनी मां ताराकंवर की इच्छा का सम्मान करते हुए मायरे की रस्म निभाई। मायरे में राव परिवार ने नवजीवन की शुरुआत के लिए अलमीरा, वाशिंग मशीन, बर्तन, कपड़े व नकद राशि सहित अन्य आवश्यक सामान भेंट किए। विवाह समारोह में पहुंचने पर वाल्मीकि परिवार ने मंगल गीत गाते हुए तिलक लगाकर राव परिवार का स्वागत सत्कार किया।

दीपपुरा (नागौर)

मेघवाल समाज की बेटी को घोड़ी पर बैठाकर निकाली बिंदौरी

बीती 1 मार्च को कुचामन सिटी (नागौर) के दीपपुरा गांव के लोगों ने मेघवाल समाज की बेटी को घोड़ी पर बैठाकर बिंदौरी निकाल सामाजिक समरसता का उदाहरण प्रस्तुत किया। दीपपुरा गांव के समाजसेवी किसान प्रभुराम पोषक ने बताया कि मेघवाल समाज से आने वाले श्यामलाल कालिया की बेटी भारती के विवाह से एक दिन पहले पूरे गांव के मेघवाल समाज को घर बुलाकर भोजन करावाया तथा दुल्हन भारती को घोड़ी पर बैठाकर पूरे सम्मान के साथ गांव में उसकी बिंदौरी निकाली गई।

बाड़मेर

बाड़मेर में आयोजित हुआ सास-बहू सम्मेलन

पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाने पर संघ का जोर

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव के कारण भारतीय परिवारों में संबंधों का महत्व कम हो रहा है। परिवारों के टूटने की घटनाएं बढ़ रही हैं। संस्कार, संवाद और आपसी सम्मान ही परिवार को जोड़ने का आधार हैं। सास-बहू के रिश्ते को मां-बेटी जैसा बनाना चाहिए ताकि परिवार में सामंजस्य बना रहे। पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने के इन्हीं उद्देश्यों को लेकर संघ की कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि की ओर से बाड़मेर में सास-बहू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अनूठे आयोजन में सर्व समाज की सास-बहू की 53 जोड़ियां सम्मिलित हुईं।

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए सास-बहू के रिश्ते के महत्व पर प्रकाश डाला। इस संबंध को मां-बेटी की तरह निभाने की अपील की। एक सास ने बताया कि उनकी बहू ससुराल आई, तब उसने केवल 12वीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की थी, लेकिन ससुराल में उसे आगे की पढ़ाई पूरी करने का अवसर दिया गया और उसने नीट परीक्षा में भी सफलता प्राप्त की। 10 वर्ष से अधिक समय से साथ रह रही सास-बहुओं को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि के विभाग संयोजक श्री अशोक दवे ने बताया कि ऋषि अंगीरा सभागार में बीती 2 मार्च को आयोजित इस कार्यक्रम को संघ के वरिष्ठ प्रचारक नंदलाल बाबा जी, बाड़मेर विभाग संघचालक मनोहरलाल बंसल सहित अन्य वक्ताओं ने बहु ही बेटी, स्वास्थ्य और गर्भाधान संस्कार व कुटुम्ब की महत्ता जैसे विषयों पर अपनी बात रखी।

होली का धमाल

कारागार में रचित एक गीत जो राष्ट्र की विजय का गीत बन गया

■ बाबा निरंजन नाथ महाराज

रण खेताँ अकबर री सेना, भेडाँ ज्यूं क्यूं भड़कै हो ?
राणा जी रा खेंखारा सूँ, छाती धड़कै हो, कै छाती अकबर री।
हाँ रै, छाती अकबर री यूं थर-थर काँपै हो,
कै छाती अकबर री ।।1।।
भीलाँ रा भीलोड़ तीखा, बीं नै दौरा लागै हो।
राणा जी रा भाला आगे, दुश्मन भागै हो, कै हल्दी घाटी में ।
हाँ रै,हल्दी घाटी में यूंभगदड़ मचगी रै,कै हल्दी घाटी में।।2।।
टप टप करतां टापां रै कुण, भाखर भाटा तोड़ै हो ?
इन वैरयाँ री छाती ऊपर, चेटक दौड़ै हो, कै हल्दी घाटी में।
हाँरै,हल्दी घाटी में यूं भम-चक मचग्यो रै,कै हल्दीघाटी में ।।3।।
कैलाशपुरी सूँ एकलिंग जी पधारया, पहन-र मुण्डमाला हो।
खल-खल करतां वहग्या रै,रगातां रानाड़ा हो,कै हल्दीघाटी में।
हाँ रै,हल्दीघाटी में यूं अकबर फंसग्यो रै,कै हल्दीघाटी में ।।4।।

सरलार्थ -भीलोड़ = तीर, भाखर = पर्वत

गीत का क्रान्तिकारी इतिहास

1. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक स्वयंसेवक ने इस गीत की रचना 1948 में उदयपुर केन्द्रीय कारागार में की थी।

क्रांगेस द्वारा 1947 में की गयी देश की हत्या अर्थात् विभाजन की त्रासदी से देश का ध्यान भंग कर, अपनी सरकार को निष्कंटक करने के लिए नेहरू-सरकार ने महात्मा गांधी की उस समय हो गयी हत्या का बहाना बना कर रा. स्व. संघ पर प्रतिबन्ध लगा दिया। लाखों लोग जेलों में ठूंस दिए गए । लाखों सत्याग्रह करके जेल गए।

किन्तु जेल के बाहर देश के विभाजन की त्रासदी की विभीषिका का घोर तांडव चल रहा था। लाखों लोग सांप्रदायिक दंगों में मारे गए। करोड़ों लोग बेघर हो गए। सारे देश में भगदड़ मची हुई थी। ऐसे में जेल में कवि का ध्यान ''हल्दीघाटी की भगदड़'' की ओर चला गया और इस अमर गीत की रचना हो गयी। जेल में यह गीत बहुत पसंद किया गया और अज्ञात अवधि का कारावास भुगतने को बाध्य हुए स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाने का कार्य यह गीत करता रहा। अन्ततः सब कार्यकर्ताओं को बिना किसी प्रकार का दोष ठहराते हुए जेलों से मुक्त करना पड़ा। इस प्रकार हल्दीघाटी में हिन्दू-विजय पर लिखा गया यह गीत एक बार फिर हिन्दू-राष्ट्र की विजय का गीत बन गया।

2. मुझे यह गीत आपातकाल के दौरान उसी उदयपुर केन्द्रीय कारागार में भारतीय जनसंघ के जिला अध्यक्ष स्वनामधन्य दाईजी श्री जोधसिंह जी चौहान, सालोरा खुर्द वालों से प्राप्त हुआ था। उस समय मैं ''नरेन्द्र मेघ'' नाम से ''हाड़ी रानी'' के बलिदान के स्थान सलुम्बर का अर्थात् दक्षिणी उदयपुर का जिला प्रचारक था और ''मीसा'' की काली जेल में नजर बंद था। इस गीत ने मेरे जीवन की धारा को उत्प्लावित कर दिया। जेल में प्रतिदिन महाभारत का पाठ होता और यह गीत बड़े उत्साह से बार-बार गाया जाता। इस प्रकार जेल में ही इस गीत का एक प्रकार से पुनर्जन्म हुआ। परिणाम पुनः पूर्व गौरव के अनुसार ही रहा। आम चुनाव में इंदिरा गांधी, संजय गांधी एण्ड पार्टी चारों खाने चित हो गयी।

सब को बिना शर्त जेल से छोड़ना पड़ा। उदयपुर जेल के बाहर अपार भीड़ मीसा-बंदियों के स्वागत के लिए खड़ी थी। सारे उदयपुर में अभूतपूर्व स्वागत हुआ ! उदयपुर की सड़कों पर दोहराया जाता रहा...

...''राणा जी रा खेंखारा सूँ, छाती धड़कै हो, कै छाती अकबर री।''

1576 के हल्दीघाटी युद्ध में प्राप्त हुई हिन्दू विजय पर लिखा गया यह अमर गीत 29 वर्ष पश्चात 1977 में एक बार फिर विजय गीत सिद्ध हुआ।

3. इस अमर गीत के रचनाकार श्री रोशनलाल चौधरी जैन हैं। उस समय वे संघ के विद्यालय के नाम से जाने-जाने वाले विद्या-निकेतन में अध्यापक थे। संघ पर प्रतिबन्ध होने के कारण कारागार में बंद थे। बाद में वे चौपासनी विद्यालय में चले गए। कोई दशक पूर्व तो उनके जोधपुर में होने की जानकारी थी। ताजा जानकारी अभी तक प्रयास पूर्वक भी प्राप्त नहीं हो पायी है। किन्ही सज्जन को जानकारी हो तो कृपया सूचित करें।

मैं यह गीत सारे भारत में कराता रहा हूँ। इसलिए लोग समझने लगे हैं कि यह गीत मेरा बनाया हुआ है। यह गीत और यह इतिहास मैंने रोशनलाल जी के सम्मान में यहाँ दिया है और आशा है कि इस समय चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी तथा स्वदेशी अपनाओ, विदेशी भगाओ आन्दोलन में भी यह अमर गीत फिर से विजय गीत सिद्ध होगा। ■

गंगापुर सिटी

सर्व समाज की 60 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

सामाजिक समरसता गतिविधि के अंतर्गत सर्वजातीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन बीती 21 मार्च को गंगापुर सिटी में किया गया। श्री हनुमान भक्त मंडल द्वारा क्षेत्र की ऐसी 60 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया जिन्होंने अपने अपने क्षेत्र (कला) में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज का गौरव बढ़ाया। कार्यक्रम स्थानीय गुलकन्दी आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित किया गया था।

बेंगलूरू

संघ की अ.भा.प्रतिनिधि सभा की बैठक बेंगलूरू में

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बेंगलूरु में 21, 22 व 23 मार्च, 2025 को आयोजित हो रही है। संघ की कार्यपद्धति में यह निर्णय करने वाली सर्वोच्च इकाई है। संघ के अ.भा.प्रचार प्रमुख श्री सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से निर्वाचित प्रतिनिधि, प्रांत व क्षेत्र स्तर के 1480 कार्यकर्ता तथा संघ प्रेरित विविध संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री एवं संगठन मंत्री अपेक्षित हैं।

नई दिल्ली

संस्कार भारती का भरतमुनि सम्मान

नई दिल्ली में बीती 22 फरवरी को प्रसिद्ध कवि एवं संगीतकार डॉ. हरेकृष्ण मेहेरे और कथक नृत्यांगना डॉ.कुमकुम धर को 'भरतमुनि सम्मान-2024' से सम्मानित किया गया।

संघ के अ.भा.कार्यकारिणी मंडल के सदस्य एवं वरिष्ठ प्रचारक श्री सुरेश सोनी एवं केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने उन्हें सम्मानित करते हुए स्मृति चिह्न, सम्मान पत्र एवं 1.51 लाख रुपये की राशि प्रदान की। कला साधकों के लिए समर्पित संस्था 'संस्कार भारती' द्वारा भरतमुनि सम्मान वर्ष 2024 में ही प्रांरभ किया गया है। इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष दो अलग-अलग विधाओं में यह सम्मान प्रदान किया जाता है।

रायपुर (पाली)

शाखा संगम में 800 स्वयंसेवक एकत्र

बीती 16 फरवरी को संघ शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित 'शाखा संगम' कार्यक्रम रायपुर (पाली) में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रायपुर तहसील की सभी 59 शाखाओं के 800 स्वयंसेवक उपस्थित थे। रामद्वारा के संत पुनीत जी महाराज का पाथेय सभी को प्राप्त हुआ।

कैलाश मानसरोवर यात्रा
अब मात्र दस दिन में होगी

लंबे इंतजार के बाद इस वर्ष कैलाश-मानसरोवर यात्रा फिर प्रारम्भ होने वाली है। यात्रा मई से सितम्बर माह के बीच प्रस्तावित है जिसका पहला जत्था जून माह में रवाना होगा। एक यात्रा दल में 60 से 100 तीर्थ यात्री होते हैं। यात्रा के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा कि यात्रियों को पैदल नहीं चलना पड़ेगा। अब पूरी यात्रा गाड़ियों की मदद से होगी।

वर्ष 2019 से यह यात्रा बंद थी। कैलाश मानसरोवर की समुद्र तल से ऊँचाई 21.77 हजार फीट है। इस बार यात्रा में और भी कई बदलाव किए गए हैं। यथा 20-25 दिन की यात्रा इस बार केवल 10 दिनों में पूरी होगी। पहली बार यात्रा परंपरागत रूट टनकपुर से पिथौरागढ़ होते हुए होगी। इस बार यात्री सिर्फ गुंजी पड़ाव में दो दिन के लिए रुकेंगे पहले पैदल यात्रा के दौरान करीब 8 पड़ाव होते थे। इस बार यात्री दिल्ली से टनकपुर पहुंचेंगे, जहां एक रात रूकने के बाद पिथौरागढ़ होते हुए सीधे धारचूला पहुंचेंगे। बेस कैंप धारचूला से अब यात्री एक दिन में गुंजी पहुंच जाएंगे।

गुंजी के बाद लिपुलेख दर्रे तक यात्री गाड़ियों की मदद से अपना सफर तय करेंगे। उत्तराखण्ड के लिपुलेख से यह जगह मात्र 65 किमी दूर है जहां शिखर का आकार एक विशाल शिवलिंग जैसा है।

कैलाश-मानसरोवर का एक बड़ा क्षेत्र चीन के कब्जे में है इसलिए यहां जाने के लिए चीन की अनुमति की आवश्यकता होती है। इस बार यात्रा मंहगी होने की संभावना भी बनी हुई है। 2019 तक कैलाश-मानसरोवर यात्रा के लिए एक यात्री को करीब ढाई लाख रुपए खर्च करने होते थे।

लंदन के पार्लियामेंट में गूंजा गायत्री महामंत्र

अखिल विश्व गायत्री परिवार से संबंधित देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति डॉ.चिन्मय पंड्या पिछले दिनों इंग्लैंड प्रवास पर थे। इस दौरान वे लंदन के हाउस ऑफ पार्लियामेंट पहुंचे तथा वहां उपस्थित मंत्रियों, सदस्यों व अधिकारियों को गायत्री महामंत्र और गायत्री परिवार की गतिविधियों पर विस्तृत जानकारी साझा की।

वैदिक परंपरानुसार देव स्थापना कर पूजा-अर्चना और विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना भी की गई। यह पहला अवसर है जब किसी यूरोपीय देश के उच्च सदन में गायत्री परिवार द्वारा देव स्थापना हुई। हाउस ऑफ पार्लियामेंट में आयोजित इस सभा को संबोधित करते हुए डॉ.चिन्मय पंड्या ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है, जहां गायत्री महामंत्र गुंजायमान हुआ और शांति पाठ का भी सस्वर उच्चारण हुआ।

जयपुर

बड़ी संख्या में जयपुर में बसे हैं रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए

प्रशासन-पुलिस की लापरवाही या नाकामी ?

राजस्थान की राजधानी जयपुर में रोहिंग्याओं तथा अवैध रूप से भारत आए बांग्लादेशियों के मामले सामने आ रहे हैं। इनमें से कई वोटर आईडी, आधार कार्ड आदि बनवाकर न केवल सरकारी सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं, वरन उन्होंने जेडीए से जमीन के पट्टे तथा मकान तक प्राप्त कर लिए हैं।

बताते हैं कि जयपुर के पास कानोता, अजमेर रोड आदि में रोहिंग्या बस्ती तक बस गई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार 2011 से 2017 के बीच सर्वे में 545 बांग्लादेशी घुसपैठियों तथा 292 रोहिंग्याओं के अवैध रूप से जयपुर में रहने की पुष्टि हुई थी। यह आंकड़ा पुराना है। प्रशासन व पुलिस द्वारा इस मामले में कठोर कार्रवाई की गई हो, ऐसा लग नहीं रहा है या तो पुलिस नाकाम रही है या लापरवाह है। माना जा रहा है कि अब तक इनकी संख्या में कई गुणा वृद्धि हुई है।

सूत्र बताते हैं कि सरकार इनके दस्तावेज निरस्त करने के लिए पत्र तो लिखती है, लेकिन इस पर जिस गंभीरता से काम होना चाहिए, वह नहीं हो रहा है। प्रश्न यह है कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए भारत के नागरिकों के लिए आवश्यक आधार कार्ड, वोटर आईडी जैसे दस्तावेज कैसे बनवा लेते हैं? जिन्होंने उनको इस काम में सहायता की है, उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। बताया जाता है कि जयपुर में यह समस्या वर्षों पुरानी है। परकोटे के बाहर की कॉलोनियों में घरों पर काम करने वाली अधिकांश महिलाएं बांग्लादेशी हैं। वे अपनी पहचान छुपाने के लिए हिंदू नाम रख लेती हैं और अपने को पश्चिमी बंगाल का बताती हैं। इसी तरह ई-रिक्शा चलाने वाले, लकड़ी या चांदी के कारीगरों आदि में भी इनकी घुसपैठ बताई जा रही है। इस मामले में सरकार को दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचय देने की आवश्यकता है।

उदयपुर

एनएमओ का राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

राष्ट्रीय मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) का 44वां राष्ट्रीय अधिवेशन उदयपुर में बीती 1 व 2 मार्च को सम्पन्न हुआ। संघ के अ.भा.प्रचारक प्रमुख श्री स्वांतरंजन ने मुख्य अतिथि के रूप में पंच परिवर्तन पर अपने विचार रखे। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचन्द कटारिया ने प्रदेश भर से आये, कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। अधिवेशन के दौरान भारतीय संस्कृति, चिकित्सा सेवा एवं राष्ट्रीय विचारधारा पर मंथन हुआ। दो दिवसीय अधिवेशन में देशभर में एनएमओ से जुड़े 2 हजार कार्यकर्ताओं ने सहभाग किया।

उत्तर : जांचें कि आप कितने ज्ञानवान है? 1.लक्ष्मण 2.खाण्डव 3.साहित्य 4.मुंशी प्रेमचन्द 5.नागालैण्ड 6.अरुणाचल प्रदेश 7.सिक्किम 8. 7 दिसम्बर 9.पुरी (ओडिशा) 10. 25 जून को

आगामी पक्ष के विशेष अवसर
(1 से 15 अप्रैल, 2025)
(चैत्र शुक्ल 4 से वैशाख कृष्ण 2 तक)

जन्म दिवस

4 अप्रैल (1889)-राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी
चैत्र शुक्ल 9(6 अप्रैल)- समर्थ गुरु रामदास
चैत्र शुक्ल 10(7 अप्रैल)- शलिवाहन
चै.शु.10(7अप्रैल)-धर्मराज चित्रगुप्त अवतरण दिवस
चै.शु.11 (8 अप्रैल)- 5वें तीर्थंकर सुमतिनाथ
चैत्र शुक्ल 13(10 अप्रैल)- भगवान महावीर
11 अप्रैल (1827) -महात्मा ज्योतिबा फुले
चैत्र पूर्णिमा (12 अप्रैल)-हनुमान जी/संत पीपा
13 अप्रैल (1885) -संत कंवरराम
14 अप्रैल (1891) -बाबा साहब आम्बेडकर

बलिदान दिवस / पुण्यतिथि

4 अप्रैल (1946)- सागरमल गोपा का बलिदान
11 अप्रैल (1858)- वीर खाज्या और दौलत सिंह नायक का बलिदान

महत्वपूर्ण घटनाएं / अवसर

6 अप्रैल (1663)- शिवाजी महाराज द्वारा शायस्ता खां का मान-मर्दन
8 अप्रैल (1929)-असेम्बली में बम का धमाका
9 अप्रैल - आर्य समाज की स्थापना
13 अप्रैल (1919)- जलियांवाला बाग नरसंहार
13 अप्रैल(वैसाखी)- खालसा पंथ की स्थापना (1699)
14 अप्रैल (1944) -आजाद हिंद फौज ने मोइरांग(मणिपुर)पर कब्जा कर तिरंगा फहराया

सांस्कृतिक पर्व

6 अप्रैल- रामनवमी, **13 अप्रैल**- वैसाखी

पंचांग- चैत्र (कृष्ण पक्ष)
15 से 29 मार्च, 2025 तक

भाई दोज-16 मार्च, **चतुर्थी व्रत**-17 मार्च, **रंग पंचमी**-19 मार्च, **रांधा पुआ**-20 मार्च, **शीतला माता पूजन** (बास्योड़ा) -21 मार्च, **पापमोचनी एकादशी व्रत**-25 मार्च, **पंचक प्रारम्भ**-26 मार्च (दोपहर 3:15 से), **प्रदोष व्रत**-27 मार्च, **देवपितृकार्य अमावस्या**-29 मार्च,

चन्द्रमा : 15-16 मार्च **कन्या** राशि में, 17 से 19 मार्च **तुला** राशि में, 20-21 मार्च नीच की राशि **वृश्चिक** में, 22 से 24 मार्च **धनु** राशि में, 25-26 मार्च **मकर** राशि में, 27-28 मार्च **कुंभ** राशि में तथा 29 मार्च को **मीन** राशि में गोचर करेंगे।

ग्रह स्थिति : चैत्र कृष्ण पक्ष में **गुरु** व **शनि** यथावत क्रमशः वृष व कुंभ राशि में स्थित रहेंगे। इसी प्रकार **राहु** व **केतु** भी पूर्ववत क्रमशः मीन व कन्या राशि में स्थित रहेंगे। **सूर्य** मीन राशि में व **मंगल** मिथुन राशि में स्थित रहेंगे। **बुध** 15 मार्च को दोपहर 12:15 बजे मीन राशि में रहते हुए वक्री होंगे। **वक्री शुक्र** मीन राशि में रहते हुए 21 मार्च को प्रात: 10:00 बजे अस्त होंगे तथा 25 मार्च को रात्रि में 9:15 बजे उदय होंगे।

धर्मराज श्री चित्रगुप्त भगवान

■ **महेश चन्द्र माथुर**

हिन्दू शास्त्रों एवं पद्मपुराण के अनुसार ब्रह्मा जी के प्रपौत्र यम को यमलोक का स्वामी बनाया गया। एक बार यमराज ब्रह्मलोक में जाकर ब्रह्माजी से बोले "आपने मुझे चौरासी लाख योनियों पर शासन करने के लिए नियुक्त किया है, परन्तु मैं अपने आप को असहाय महसूस कर रहा हूँ, मैं इस कार्य को कैसे करू?" ब्रह्मा जी ने कहा कि चिंता मत करो, इसका कोई उपाय ढूंढ लेंगे। इसके बाद ब्रह्माजी ने कई वर्षों तक घोर तपस्या की। तपस्या के समय उनके मन-मस्तिष्क में विष्णु स्वरूप देवता का चित्र उभर आया जो खड्ग, कालदण्ड, पाटी-पुस्तक, दवात, लेखनी सहित चारभुजा धारी था। आंखें खुलने पर ब्रह्माजी ने वही चित्र साक्षात पाया। तब ब्रह्माजी बोले, आपका चित्र हृदय में गुप्त देखा और आपने मेरे चित (मन) की गुप्त चिंता हरली। अतः आपका नाम जगत में 'चित्रगुप्त' नाम से विख्यात होगा। आप यमपुरी परमेश्वर परमात्म कायस्थ हो। आपकी संतान कायस्थ नाम से पहचानी जाएगी।

ब्रह्माजी ने चित्रगुप्त जी को प्रत्येक प्राणियों के भाग्य लिखने के लिए धर्माधिकार देकर यमलोक में अपने कर्म को स्थापित करने के लिए कहा। प्रत्येक प्राणी के अच्छे तथा बुरे कर्मों का लेखा-जोखा रखने, नियमों का पालन करवाने तथा धर्मानुकुल निर्णय करने का उत्तरदायित्व दिया गया। जिसके अंतर्गत कर्मो के हिसाब से मृत्यु के बाद कौन स्वर्ग का अधिकारी होगा और किसे बुरे कर्मों के लिए नरक भेजना है। चित्रगुप्त जी महाराज को लेखा-जोखा रखना होता है अतः कलम और दवात उनके उपकरण बने। ऐसा माना जाता है कि पृथ्वीलोक पर भगवान चित्रगुप्त जी का अवतरण चैत्र शुक्ला 10(इस बार 7 अप्रैल) को उज्जैन नगर से कुछ ही दूर कायथा गांव में हुआ। श्री चित्रगुप्त जी के प्राचीन मंदिर उज्जैन के अतिरिक्त पटना, अयोध्या और कांचीपुरम में स्थित है। भगवान चित्रगुप्त जी द्वारा बनाए गए अनुशासन एवं दंड विधान का पालन-यमराज-यमदूतों से करवाते हैं।

श्री चित्रगुप्त जी की दो पत्नियों इरावती व नंदिनी से 12 पुत्रों का जन्म हुआ जो कालांतर में माथुर, गौड़, भटनागर, सक्सेना, अंबष्ट, निगम, कर्ण, कुलश्रेष्ठ, श्रीवास्तव, सूर्यध्वज, वाल्मीकि और अस्थाना नाम से प्रसिद्ध हुए।

-लेखक नव शिक्षा समाज, जोधपुर के संयुक्त सचिव हैं

मल्टी टास्किंग प्रेशर से युवा हो रहे भुलक्कड़

मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश जैन के अनुसार 60 वर्ष की उम्र के बाद होने वाली भूलने की बीमारी (डिमेंशिया)के दूसरे रूप स्यूडोडेमेंशिया की समस्या युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही है। अवसाद, मल्टीटास्किंग और स्मार्ट फोन की लत इसके सबसे बड़े कारणों के रूप में सामने आ रहे हैं। स्यूडो में व्यक्ति को यह अहसास होता है कि उससे भूल हो रही है। जबकि अल्जाइमर्स में बुजुर्ग नई बातें पहले भूलते हैं, पुरानी याद रह जाती है। आंकड़ों के अनुसार विश्व में करीब 5.5 करोड़ लोग अल्जाइमर्स के कारण होने वाले डिमेंशिया से ग्रसित हैं। भारत में इस रोग के पीड़ितों की संख्या करीब 88 लाख और राजस्थान में डेढ़ से दो लाख है।

घरेलू नुस्खा

एक गिलास पानी में तीन चम्मच बारीक कटा अदरक और एक चम्मच सूखा पुदीना डालकर उबालें। ठंडा होने पर इसमें आवश्यकतानुसार शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण का रोज एक चम्मच लें, खांसी में आराम मिलेगा। यह लेने के आधा घंटा बाद तक पानी नहीं पीना है।

कुकिंग / किचन टिप्स

आलू उबालते समय बर्तन में एक चुटकी हल्दी (पिसी हुई) डाल दें। इससे आलू बहुत जल्दी उबल जायेगा।

गीता- दर्शन

सुदुर्दर्शमिदं रूपं दृष्टवानसि यन्मम।
देवा अप्यस्य रूपस्य नित्यं दर्शनकाङ्क्षिणः।।
(11/52)

श्रीकृष्ण कहते हैं-मेरा जो चतुर्भुजरूप तुमने देखा है, यह सुदुर्दर्श है अर्थात् इसके दर्शन बड़े ही दुर्लभ हैं। देवता भी सदा इस रूप के दर्शन की आकांक्षा करते (लालायित) रहते हैं।

आओ संस्कृत सीखें-52

■ आपका स्वागत है।
भवतां स्वागतम् अस्ति।

दिवस

3 अप्रैल - हिन्दी रंगमंच दिवस
7 अप्रैल - विश्व स्वास्थ्य दिवस
10 अप्रैल - सिंधी भाषा मान्यता दिवस

जांचें कि आप कितने ज्ञानवान है?

नीचे दिए गए 10 प्रश्नों के उत्तर बताइए। अपना ज्ञान स्तर निम्नानुसार मानें- **सामान्य**- यदि आप 5 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **श्रेष्ठ** - यदि 8 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **उत्तम**- यदि सभी उत्तर सही देते हैं।

1. मरणासन्न रावण के पास राजनीति का ज्ञान लेने के लिए कौन गए थे?
2. जिस वन का दहन कर पाण्डवों ने इन्द्रप्रस्थ बसाया, उसका नाम क्या था?
3. ज्ञानपीठ पुरस्कार किस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जाता है?
4. 'कफन' किस प्रसिद्ध साहित्यकार की रचना है?
5. किस भारतीय राज्य की राजभाषा अंग्रेजी है?
6. देश के बड़े तीर्थ स्थलों में शामिल किया गया 'परशुराम कुंड' किस राज्य में स्थित है?
7. 'नाथुला दर्रा' किस राज्य में स्थित है?
8. सशस्त्र सेना झण्डा दिवस कब मनाया जाता है?
9. भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा के लिए कौन सा स्थान प्रसिद्ध है?
10. केन्द्र सरकार द्वारा 'संविधान हत्या दिवस' किस दिन को घोषित किया गया है?

उत्तर इसी अंक में...

कथा

अन्नदान

प्रसिद्ध संत रामलिंगम के पास कुछ व्यापारी आए। उन्होंने स्वामी जी से कहा, 'हम एक यज्ञ का संकल्प लेकर आए हैं। हमारा निवेदन है कि यज्ञ में पहली आहुति आप ही दें ताकि यज्ञ सफल हो।' उनकी बात सुनकर स्वामी जी बोले,'यज्ञ अवश्य होगा। कल सुबह आप यज्ञ के लिए कुछ वस्तुएं लेकर आइए।' अगले दिन सुबह उनको पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री पहुंचा दी गई। स्वामी जी ने यज्ञ के लिए दी गई खाद्य सामग्री से हलवा, खीर, पूरी और सब्जी आदि विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार कराए। इसके बाद उन्होंने आसपास के क्षेत्र से गरीब और अभावग्रस्त लोगों को आमंत्रित कर व्यापारियों से कहा,'इन लोगों को सम्मान और प्रेम सहित भोजन कराओ। व्यापारियों ने उनकी बात मान कर ऐसा ही किया। उन्हें असीम प्रसन्नता व संतोष की अनुभूति हुई। सभी के चेहरों पर प्रसन्नता का भाव देखकर रामलिंगम स्वामी बोले, 'जब आप किसी भूखे, असहाय व्यक्ति को भोजन कराते हैं तो उसके अंत:करण में बैठा ईश्वर कृतज्ञतापूर्वक आपको आशीष देता है जिससे आपके सभी यज्ञ अपने आप सफल हो जाते हैं।'

स्वामी जी के अनुयायी 'अन्नदान' की परम्परा का निर्वहन आज भी कर रहे हैं।

रामायण के पात्र खोजिए

ला	ल	व	ल	सी	ज	रा
र्मि	ची	सु	क्ष	ता	न	म
उ	र्मि	ग्री	म	कै	क	ई
थ	रा	व	ण	ष	भी	वि
ना	ग	री	न	मा	नु	ह
घ	कु	ब	या	ल	श	कौ
मे	द	श	र	थ	कं	स

हनुमान, लक्ष्मण, राम, सीता, कौशल्या, जनक, दशरथ, उर्मिला, कैकई, मेघनाथ, रावण, सुग्रीव, विभीषण, शबरी, लव, कुश

बाल प्रश्नोत्तरी - 71

जीतें पुरस्कार अब दूसरी और तीसरी बार भी

बाल मित्रों, 16 जनवरी व 1 फरवरी का संयुक्तांक (संविधान और भारतीयता) पढ़ने के पश्चात् निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'उत्तर शीट' में भरकर 7976582011 पर वॉट्सएप्प करें। प्रथम 10 को प्रमाण-पत्र तथा प्रथम 5 को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में 6 से 17 वर्ष तक के बाल-किशोर ही भाग ले सकते हैं। लगातार 5 बार उत्तर सही पाए जाने पर विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। उत्तर भेजने की अंतिम तिथि - **05 अप्रैल, 2025**

1. भारत का संविधान किस वर्ष में लागू हुआ था?
(क) 1950 (ख) 1955 (ग) 1975 (घ)1947

2. केन्द्र सरकार द्वारा संविधान दिवस किस तिथि को घोषित किया गया है?
(क) 26 जनवरी (ख) 26 नवम्बर (ग) 26 दिसम्बर (घ) 26 फरवरी

3. भारतीय संविधान की मूल प्रति में कुल कितने चित्रों का उल्लेख मिलता है?
(क) 18 चित्र (ख) 16 चित्र (ग) 22 चित्र (घ) 20 चित्र

4. भारतीय संविधान में अब तक कुल कितने संशोधन किए जा चुके हैं?
(क) 106 (ख) 111 (ग) 109 (घ)108

5. संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे?
(क)डॉ. राजेन्द्र प्रसाद(ख) डॉ. राजेश प्रसाद (ग) डॉ.अम्बेडकर(घ) महात्मा गांधी

6. संविधान के प्रत्येक पेज के चित्रों को किस चित्रकार ने बनाया था?
(क) नंदलाल बोस (ख) कमलकांत त्रिपाठी (ग) नंदकिशोर शर्मा (घ) नरेन्द्र कुमार

7. 'सत्यमेव जयते' भारत सरकार का ध्येय वाक्य किस उपनिषद से लिया गया है?
(क) कठोपनिषद् (ख) मुण्डकोपनिषद् (ग) केनोपनिषद् (घ) तैत्तिरीयोपनिषद्

8. संविधान की चित्रकारी में सहयोग करने वाले चित्रकार कृपाल सिंह शेखावत राजस्थान के किस जिले से थे?
(क) सीकर (ख) जोधपुर (ग) उदयपुर (घ) बीकानेर

9. संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?
(क) डॉ.अम्बेडकर (ख) डॉ.राजेन्द्र प्रसाद (ग) सरदार पटेल (घ) जेबी कृपलानी

10. भारतीय संविधान में कुल कितने मौलिक कर्तव्य हैं?
(क) दस (ख) आठ (ग) ग्यारह (घ) बारह

बिंदुओं को आपस में जोड़ो

बाल प्रश्नोत्तरी-69 के परिणाम

अनन्या

प्रसिद्धी

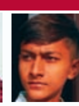
चंदन

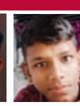
महेश

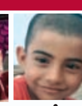
अर्जुन

दूसरी बार विजेता - चंदन कुमार

1. अनन्या शर्मा, गुप्तेश्वर रोड़, दौसा
2. प्रसिद्धी कोली, कठूमर, अलवर
3. चंदन कुमार, पिण्डवाड़ा, सिरोही
4. महेश सैनी, निवाई, टोंक
5. अर्जुन पटेल, सालावास, जोधपुर
6. हिरेन्द्र सिंह, इंदिरा कालोनी, अजमेर
7. देव स्वामी, नीम का थाना, सीकर
8. अश्विन गोयल, सांगानेर, जयपुर
9. उत्कर्ष शर्मा, विज्ञान नगर, कोटा
10. दिव्यांश शर्मा, सी.एच.बी., जोधपुर

सही उत्तर
1. (क)
2. (ख)
3. (ग)
4. (घ)
5. (क)
6. (ख)
7. (ग)
8. (घ)
9. (क)
10.(ख)

निम्नांकित उत्तर शीट भरकर इसी की फोटो वॉट्सएप करें। (बाल प्रश्नोत्तरी - 71)
(अपनी पासपोर्ट फोटो अवश्य वॉट्सएप करें)

1.( ) 2.( )3.( )4.( ) 5.( )6. ( )7.( )8.( ) 9.( )10.( )

नाम.......................................कक्षा.........पिता का नाम.......................................

उम्र........... पूर्ण पता...

....................पिन.................मोबाइल..

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

विकसित राजस्थान की ओर बढ़ते कदम

पेयजल

- ग्रामीण क्षेत्रों में 20 लाख घरों में पेयजल कनेक्शन
- शहरी क्षेत्र में पेयजल के हेतु अमृत 2.0 योजना में 5 हजार 123 करोड़ रुपये के कार्य
- मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) में 5 हजार 830 करोड़ रुपये के कार्य
- 1000 ट्यूबवेल व 1500 हैंडपंप

राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित PKC-ERCP)

- 9 हजार 416 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी
- 12 हजार 64 करोड़ रुपये की निविदाएँ जारी
- 12 हजार 807 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी
- आगामी वर्ष में लगभग 9 हजार करोड़ रुपये के नवीन कार्यों की शुरुआत
- Rajasthan Water Grid Corporation में लगभग 4 हजार करोड़ रुपये के कार्य

ऊर्जा

- मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वितों के घरों पर निःशुल्क सोलर प्लांट्स लगाकर 150 यूनिट्स बिजली प्रतिमाह निःशुल्क
- 6 हजार 400 मेगावाट से अधिक अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य
- 5 हजार 700 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन के नए कार्यों की शुरुआत

सड़क

- 6 हज़ार करोड़ रुपये की लागत से 21 हज़ार किमी. नॉन-पेचेबल सडकों में सुधार
- 5 हज़ार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनेंगे हाईवे, बाईपास, ब्रिज एवं एलिवेटेड रोड़
- PMGSY के अंतर्गत 1600 बसावटों को जोड़ा जाएगा
- 5 हजार से अधिक आबादी वाले 250 ग्रामीण कस्बों में अटल प्रगति पथ
- सड़क सुरक्षा के लिए हाइवे पर जीरो एक्सीडेंट जोन व 50 ब्लैक स्पॉट का सुधार कार्य
- 15 शहरों में रिंग-रोड के निर्माण हेतु डीपीआर बनेगी
- हाईवे पर 20 ट्रौमा सेंटर्स के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान, साथ ही 25 Advanced Life Support Ambulances भी उपलब्ध होगी

लाखों युवाओं को सौगात

- आगामी वर्ष में 1.25 लाख सरकारी पदों पर भर्ती
- निजी क्षेत्र में एक लाख 50 हजार युवाओं को रोजगार
- 500 करोड़ रुपये का विवेकानन्द रोजगार सहायता कोष
- 'विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना' में 2 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 8 प्रतिशत ब्याज अनुदान

ग्रामीण विकास

- मनरेगा के अन्तर्गत 3 हजार 400 लाख मानव दिवसों का सृजन
- स्वामित्व योजना में 2 लाख परिवारों को नए पट्टे
- दादूदयाल घुमन्तू सशक्तिकरण योजना में 25 हजार परिवारों को पट्टे
- पंचगौरव योजना को गति देना, 550 करोड़ रुपये का प्रावधान
- एससी/एसटी कल्याण के लिए एससीएसपी एवं टीएसपी फण्ड की राशि बढ़ाकर 1750 करोड़ रुपये

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना

- 6 हजार वरिष्ठजनों को हवाई मार्ग से तथा 50 हजार को ए.सी. ट्रेन से तीर्थ यात्रा

सामाजिक सुरक्षा

- विभिन्न वर्गों के पात्र को देय पेंशन बढ़ाकर एक हजार 250 रुपये प्रतिमाह
- विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू समुदायों के लिए 'दादूदयाल घुमन्तू सशक्तिकरण योजना'
- बालिकाओं को शिक्षा में प्रोत्साहन के लिए 35 हजार स्कूटी वितरण का लक्ष्य
- खाद्य सुरक्षा हेतु 10 लाख नवीन Units NFSA लाभान्वित के रूप में जोड़ना
- 5 हजार उचित मूल्यों की दुकानों पर अन्नपूर्णा भण्डार

महिला

- 20 लाख महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाये जाने का लक्ष्य
- 3 लाख लखपति दीदियों को आगामी वर्ष में 1.5 प्रतिशत ब्याज दर पर 1 लाख रुपये तक का ऋण
- मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना-आंगनबाड़ी पर सप्ताह में 5 दिवस दूध
- गर्भवती महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्री किट योजना की शुरुआत

नगरीय विकास

- शहरी क्षेत्र में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना के तहत लगभग 12 हजार 50 करोड़ रुपये के कार्य
- 500 Pink Toilets का निर्माण
- समस्त शहरों में 50 हजार स्ट्रीट लाइट्स
- सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से अम्बाबाड़ी एवं विद्याधरनगर (टोडी मोड़ तक) जयपुर मेट्रो का कार्य
- शहरी क्षेत्रों में 500 नई बसें उपलब्ध
- 100 अत्याधुनिक Robotic-Three-One सीवरेज सफाई मशीनें

सुशासन

- प्रथम चरण में 3 हजार से अधिक जनसंख्या वाले पंचायत मुख्यालयों में अटल ज्ञान केन्द्र
- Ambedkar Institute of Constitutional Studies and Research की स्थापना
- 8 नए जिलों में विभिन्न विभागीय कार्यालयों की स्थापना के लिए एक हजार करोड़ रुपये

हरित बजट

- राज्य का प्रथम हरित बजट (Green Budget)
- Circular Economy के व्यापक प्रसार के लिए Rajasthan Circular Economy Incentive Scheme-2025
- मिशन हरियाळो राजस्थान के अन्तर्गत 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य
- लघु एवं सीमान्त कृषकों को बैलों से खेती पर प्रोत्साहन राशि के रूप में 30 हजार रुपये प्रतिवर्ष
- 250 करोड़ रुपये राशि की 'हरित अरावली विकास परियोजना'
- स्वयं सहायता समूह की 25 हजार महिलाओं को सोलर दीदी के रूप में प्रशिक्षण
- एक लाख लाभार्थियों को निःशुल्क Induction Cook Top-Cooking System वितरण का लक्ष्य

औद्योगिक विकास

- निवेश सुविधा के लिए 'सिंगल विंडो – वन स्टॉप शॉप'
- Service Sector में निवेश हेतु Global Capability Centre (GCC) Policy
- Trading Sector के विकास एवं संवर्द्धन हेतु Rajasthan Trade Promotion Policy
- DMIC (Delhi Mumbai Industrial Corridor) से लिंक कर 2 Logistics Parks

कृषि बजट

- आगामी वर्ष में 35 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये ब्याज मुक्त फसली ऋण वितरण का लक्ष्य
- किसान सम्मान निधि की राशि अब 9 हजार रुपये प्रतिवर्ष
- राजस्थान कृषि विकास योजना में 1 हजार 350 करोड़ रुपये
- गेहूँ के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रति क्विंटल बोनस राशि बढ़ाकर 150 रुपये
- Micro Irrigation के लिए एक लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में प्रावधान
- आगामी वर्ष में 3 लाख 50 हजार हेक्टेयर में Drip एवं Sprinkler Irrigation System के लिए अनुदान
- 25 हजार Farm Ponds, 10 हजार डिग्गियों, 50 हजार सौर पम्प संयंत्रों तथा 20 हजार किलोमीटर सिंचाई पाइप लाइन के लिए 900 करोड़ रुपये का अनुदान
- आगामी वर्ष 1 लाख हैक्टेयर में ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का छिड़काव पर प्रति हैक्टेयर 2 हजार 500 का अनुदान

पशुपालन एवं डेयरी

- 'मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना' में श्रेणीवार बीमित पशुओं की संख्या दोगुनी
- एक हजार नवीन सहकारी समितियों/दुग्ध संग्रह केन्द्रों की स्थापना
- मिल्क उत्पाद, डेयरी प्लांट की प्रोसेसिंग एवं पशु आहार संयंत्रों के क्षमता वर्धन हेतु 540 करोड़ रुपये
- गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना में 2.50 लाख लाभार्थियों की बढ़ोतरी
- गोशालाओं तथा नंदीशालाओं हेतु प्रति पशु देय अनुदान को बढ़ाकर 50 रुपये प्रतिदिन

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

- समस्त जिला चिकित्सालयों में Diabetic Clinics
- गंभीर/असाध्य रोगों के उपचार के लिए Day Care Centres भी समस्त जिला चिकित्सालयों में प्रारम्भ
- प्रदेश को TB मुक्त बनाना, प्रत्येक CHC पर Digital X-ray Machine, TRU-NAAT (ट्रू-नॉट) व CB-NAAT (CB-नॉट) Machine की उपलब्धता
- 'Fit Rajasthan' अभियान, 50 करोड़ रुपये के प्रावधान
- नवीन आयुष नीति, गांवों को आयुष्मान आदर्श ग्राम घोषित कर 11 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि
- निःशुल्क जाँच एवं दवा हेतु 3 हजार 500 करोड़ रुपये का 'MAA कोष' का गठन
- MAA नेत्र वाउचर योजना की शुरूआत
- 70 वर्ष आयु से अधिक के वृद्धजनों को आवश्यकतानुसार घर पर ही निःशुल्क दवा

कार्मिक कल्याण

- समस्त मानदेय कर्मियों के मानदेय में आगामी वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि
- NFSA राशन वितरण का कार्य संभाल रहे Dealers के कमीशन में भी 10 प्रतिशत वृद्धि
- न्यायिक सेवा के पेंशनर्स/पारिवारिक पेंशनर्स को 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता
- पंचायती राज एवं नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों के मानदेय में भी आगामी वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

स्वराज्य संस्थापक

छत्रपति शिवाजी

24

आलेख एवं चित्र

ब्रजराज राजावत

पाक्षिक
पाथेय कण
16-31 मार्च, 2025
(10 मार्च को प्रकाशित, पृष्ठ 20)

आर.एन.आई पंजीयन क्र. 48760/87
डाक पंजीयन संख्या JAIPUR CITY 202/2024-26

अग्रिम शुल्क बिना प्रेषण की अनुमति लाइसेंस संख्या
JAIPUR CITY/WPP 01/2024-26

Springboard ACADEMY
AN INSTITUTE FOR IAS & RAS

RAS FOUNDATION

Dileep Mahecha
Director

Online & Offline
सेमिनार
RAS 2021 में चयनित अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन

24 मार्च
सोमवार
@ 10:15 AM

25 मार्च से
बैच प्रारम्भ
Online & Offline
Exclusive Live Batch
from Classroom

Mock Interview | Mains New Batch Start | Mains Test Series Start

"Give a Strong Boost to your IAS/ RAS Preparation under the Guidance of Best Team in Rajasthan"
प्रशासनिक सेवा की तैयारी हेतु कोचिंग संस्थान के चयन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है। परंतु प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती। स्प्रिंगबोर्ड अकादमी का परिणाम ही उसकी पहचान है। अतएव अभ्यर्थी बिना किसी आशंका के "स्प्रिंगबोर्ड अकादमी" का चयन करता है। विगत भर्तियों के परिणाम इस बात की पुष्टि करते हैं। अधिकांश चयन "स्प्रिंगबोर्ड अकादमी" से जुड़े हुए अभ्यर्थियों का हुआ है। पूरा राजस्थान IAS/ RAS हेतु प्रत्यक्ष/ अप्रत्यक्ष रूप से "स्प्रिंगबोर्ड अकादमी" के नोट्स उपयोग में लेता है जो इस परीक्षा हेतु अकादमी के नोट्स की सटीकता दर्शाता है।

स्प्रिंगबोर्ड अकादमी के निदेशक "दिलीप महेचा" के अनुसार व्यक्ति को उसके जीवन में एक बार तो सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए क्योंकि यह तैयारी उसके व्यक्तित्व विकास में बहुत सहायक सिद्ध होती है। स्प्रिंगबोर्ड इस तैयारी में अभ्यर्थी को पारिवारिक माहौल प्रदान कर जीवन के उच्चतम आयामों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करता है। यहां की अनुभवी शिक्षकों की टीम, सहायक स्टाफ छात्रों की सहायतार्थ सदैव उपस्थित है। विगत वर्षों में सिविल सेवा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ परिणाम देने की वजह यहां की प्रारंम्भिक और मुख्य परीक्षा आधारित साप्ताहिक टेस्ट सीरीज, टॉपर्स से लगातार मोटिवेशनल कक्षाएं, प्रतिदिन उत्तर- लेखन अभ्यास व सही मार्गदर्शन है। अतएव स्प्रिंगबोर्ड अकादमी का हिस्सा बनकर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में कदम उठाएं।

- IAS/ RAS में राज्य का सर्वश्रेष्ठ परिणाम।
- अनुभवी शिक्षकों की समर्पित टीम।
- शिक्षकों से नियमित संवाद व समस्या समाधान।
- चयनित छात्रों द्वारा मार्गदर्शन और नियमित उत्तर लेखन अभ्यास।
- मानक पुस्तकों का समावेशन कर सारगर्भित हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम में पाठ्य सामग्री।
- प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा आधारित साप्ताहिक टेस्ट सीरीज व मूल्यांकन।
- समसामयिकी हेतु मासिक पत्रिका व नियमित कक्षाएं।
- अंतर विषयक समझ विकसित करने का प्रयास।
- वातानुकूलित व तकनीकी सुविधायुक्त क्लासरूम व निःशुल्क वाहन सुविधा।

Riddhi - Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur
9636977490, 0141-3555948

ऐप डाउनलोड करने के लिए
QR Code स्कैन करें
GET IT ON Google Play

Contact us- Springboard Academy Online | Springboard Academy Jaipur

स्प्रिंगबोर्ड एकेडमी के IAS, RAS हेतु प्रमाणित क्लास नोट्स उपलब्ध The Notes Hub 7610010054, 7300134518

स्वत्वाधिकारी पाथेय कण संस्थान के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक माणकचन्द
द्वारा कुमार एण्ड कम्पनी, ए-10, 22 गोदाम औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित
प्रकाशकीय कार्यालय : पाथेय भवन, 4 मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, मालवीय नगर, जयपुर-302017
सम्पादक- रामस्वरूप अग्रवाल
प्रेषण दिनांक 16,17,18,19 व 20 मार्च, 2025 आर.एम.एस.(पी.एस.ओ.) जयपुर

प्रतिष्ठा में,
____
____
____